... सिर्फ सच का साथ

जनमुख

वाराणसी, बृहस्पतिवार, 03 सितम्बर-2026

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

वाराणसी, लखनऊ, दिल्ली एवं पूर्वी उत्तर प्रदेश व पश्चिमी बिहार में प्रसारित

● वर्ष -43 ● अंक 307 ● पृष्ठ 8 ● मूल्य 2 रुपया

नालसार विवाद : सुप्रीम कोर्ट ने रद किया BCI का आदेश

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को कहा कि बार काउंसिल ऑफ इंडिया (ण्ध्) के पास लॉ स्टूडेंट्स के व्यवहार को रेगुलेट करने का कोई कानूनी अधिकार नहीं है। कोर्ट ने हैदराबाद की नालसार यूनिवर्सिटी ऑफ लॉ के स्टूडेंट्स के खिलाफ जारी बीसीआई के दो नोटिफिकेशन्स को रद कर दिया। ये आदेश यूनिवर्सिटी के दीक्षांत समारोह में भारत के मुख्य न्यायाधीश (ण्ब्) सूर्य कांत की प्रस्तावित भागीदारी को लेकर स्टूडेंट्स के विरोध-प्रदर्शन से जुड़े थे। यह बात कोर्ट ने तब कही जब बीसीआई ने शुरू में राज्य बार काउंसिल्स को निर्देश दिया था कि वे नालसार के 2026 बैच के लॉ ग्रेजुएट्स को एडवोकेट के तौर पर एनरोल न करें। यह निर्देश तब आया था जब स्टूडेंट्स ने यूनिवर्सिटी के दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर सीजेआई के शामिल होने का विरोध किया था।

लखनऊ में एअर इंडिया विमान की इमरजेंसी लैंडिंग

लखनऊ। वाराणसी से दिल्ली जा रही एअर इंडिया एक्सप्रेस के विमान की गुरुवार सुबह लखनऊ एयरपोर्ट पर इमरजैंसी लैंडिंग करानी पड़ी। सूत्रों के मुताबिक विमान के कार्गो में धुएं का अलार्म बजा था। पायलट ने तुरंत लखनऊ एयरपोर्ट संपर्क किया। एयर ट्रैफिक कंट्रोल से परमिशन मिलते ही लैंडिंग कराई। विमान के उतरते ही रिस्पॉन्स टीम ने मोर्चा संभाला। फायर ब्रिग्रेड और टेक्निकल एक्सपर्ट भी मौके पर पहुंचे। विमान की जांच की गई। विमान ने वाराणसी एयरपोर्ट से गुरुवार सुबह 8 बजे उड़ान भरी। थोड़ी देर बाद ही कार्गो में स्मोक डिटेक्शन का अलार्म बजने लगा। इसके बाद पायलट ने सुबह 8:52 बजे लखनऊ एयरपोर्ट पर लैंडिंग कराई। सुबह 9:02 बजे विमान से 155 यात्रियों और क्रू को उतारा गया।

पाकिस्तानी जेट गिराने वाले अभिनंदन ने एयरफोर्स छोड़ी

नई दिल्ली। बालाकोट एयरस्ट्राइक के दौरान 60 घंटे पाकिस्तान की कैद में रहे पूर्व ग्रुप कैप्टन अभिनंदन वर्तमान ने एयरफोर्स से रिटायरमेंट ले लिया है। उन्होंने गोवा की प्राइवेट एयरलाइन फ्लाई-91 जॉइन कर ली है। उनका सामान्य रिटायरमेंट 2037 में होना था, जब वे 54 वर्ष के होते। न्यूज एजेंसी PTI के मुताबिक, उन्होंने 31 मार्च 2026 को वायुसेना छोड़ी और अगस्त में प्राइवेट एयरलाइन जॉइन की। करीब दो दशक की सर्विस के बाद अब वे कॉमर्शियल यात्री विमान के पायलट होंगे। अभिनंदन वायुसेना में श्ग्ड-21 फाइटर उड़ाते थे। 27 फरवरी 2019 को पाकिस्तानी के F-16 लड़ाकू विमान को मार गिराने के दौरान उनका विमान मिसाइल की चपेट में आ गया था।

सीजेपी के नाम से बनी एक और पार्टी

नई दिल्ली। मनीष ब्रह्मभट्ट ने गुरुवार को 'कॉकरोच जनता पार्टी-डेमोक्रेटिक' नाम से नए राजनीतिक मंच के गठन का एलान किया। उन्होंने कार्यकर्ताओं और स्वयंसेवकों से ऐसी राष्ट्रीय टीम बनाने की अपील की, जो पारदर्शी और लोकतांत्रिक तरीके से काम करे। ब्रह्मभट्ट ने खास तौर पर कहा कि इस मंच को किसी एक नेता या व्यक्ति की टीम नहीं बनाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि देशभर के लोगों को इस पहल से जुड़ने के लिए सोशल मीडिया, व्हाट्सऐप और मिस्ड कॉल समेत कई माध्यम उपलब्ध कराए गए हैं। ब्रह्मभट्ट के मुताबिक, नए संगठन का मुख्य जोर पारदर्शिता और जवाबदेही पर रहेगा।

बुआ फिर भतीजे से खफ़ा!

मायावती ने आकाश से छीन लिया राष्ट्रीय संयोजक का पद, कहा-अभी इस लायक नहीं हैं

- संघ की कथनी-करनी में भेद का लगाया आरोप, पूरे देश में अकेले चुनाव लड़ने का किया ऐलान
- पार्टी के पदाधिकारियों को ईमानदारी से काम करने की हिदायत

लखनऊ। मायावती ने आकाश आनंद को राजनीतिक रूप से और अधिक परिपक्व (मैच्योर) होने की बात कहते हुए पार्टी की किसी भी बड़ी जिम्मेदारी से दूर रखने का फैसला किया है। उन्होंने मान्यवर कांशीराम के सिद्धांतों का हवाला देते हुए स्पष्ट किया कि जिस तरह उन्होंने अपने परिवार को केवल पार्टी कार्य की इजाजत दी थी, चुनाव लड़ाने या पद देने के खिलाफ थे। उसी संकल्प पर चलते हुए आकाश आनंद को भी केवल पार्टी में कार्य करने की अनुमति दी गई है। मायावती का मानना है कि आकाश आनंद को अभी और परिपक्वता की आवश्यकता है ताकि विरोधी दलों द्वारा साम, दाम, दंड, भेद जैसे हथकंडों के इस्तेमाल से पार्टी को होने वाले संभावित चुनावी नुकसान से बचाया जा सके। इसके साथ ही आकाश आनंद ने भी अपना एक्स प्रोफाइल बदल लिया है। उन्होंने राष्ट्रीय संयोजक की जगह खुद को बसपा कार्यकर्ता के रूप में अपनी पहचान बताई है। इससे आकाश के समर्थकों में निराशा है। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने लखनऊ में पार्टी की ऑल-इंडिया स्तर की एक महत्वपूर्ण बैठक की अध्यक्षता करते हुए संगठन को मजबूत करने और ज्वलंत मुद्दों पर पार्टी का रुख सा-फ करने संबंधी निर्देश जारी किए। बैठक के दौरान उन्होंने पिछले कार्यों की समीक्षा की और सभी छोटे-बड़े पदाधिकारियों को कमियों को दूर कर पूरी ईमानदारी व निष्ठा से पार्टी के दिशा-निर्देशों का पालन करने की सख्त हिदायत दी। कांशीराम के संघर्षों का जिक्र करते हुए उन्होंने स्पष्ट किया कि शोषित वर्ग को शासक वर्ग बनाना ही बहुजन मूवमेंट का मुख्य लक्ष्य है और इसके लिए सत्ता हासिल करना बेहद जरूरी है।

इसके अलावा, RSS प्रमुख मोहन भागवत के अमेरिका दौरे में दिए गए बयानों का संज्ञान लेते हुए मायावती ने संघ की कथनी और करनी में भारी अंतर का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर ने समानता के लिए आजीवन संघर्ष किया, जबकि आरक्षण, मुस्लिम व अन्य अल्पसंख्यक वर्गों की सुरक्षा और महिला अधिकारों के मामलों में आरएसएस के दावों में सच्चाई की कमी दिखती है। उन्होंने संघ को सलाह दी कि वह खुद भी बाबा साहेब के मानवतावादी व समतामूलक संविधान का ईमानदारी से पालन करे और अपने लोगों से भी इसका पालन करवाए।

नेपाल में रोज मिल रहीं लाशें, बढ़ रही मरने वालों की संख्या

काठमांडू। नेपाल में बाढ़ के बाद हालात बदतर बने हुए हैं। हर दिन के साथ हताहतों की संख्या बढ़ती जा रही है, जबकि अभी भी हजारों लोग लापता हैं। मृतकों का आंकड़ा 1225 पहुंचा है। वहीं, इस भीषण त्रासदी को झेलने वाले अब मानसिक रूप से पीड़ा झेल रहे हैं, जिसमें बच्चे से लेकर बड़े भी शामिल है। फिलहाल राहत और बचाव अभियान युद्धस्तर पर जारी है। नेपाल-चीन सीमा पर आई विनाशकारी बाढ़ के बाद महाराष्ट्र के ठाणे जिले के 10 कैलाश मानसरोवर यात्री अब तक लापता हैं। परिवार लगातार उनके सुरक्षित लौटने की उम्मीद लगाए हुए हैं, लेकिन प्रभावित इलाके में संचार व्यवस्था ठप होने से उनकी चिंता बढ़ती जा रही है।

बिहार में गंगा ने पार किया खतरे का निशान

- 13 से ज्यादा जिले बाढ़ की चपेट में, उत्तर प्रदेश में भी नदियां उफान पर हिमाचल में भूस्खलन से सड़कें बंद

नई दिल्ली। बिहार के कई जिलों में बीते दो दिनों से रुक-रुककर बारिश हो रही है। पटना में गंगा खतरे के निशान से करीब 2 फीट ऊपर बह रही है। प्रदेश के 13 जिले बाढ़ की चपेट में हैं, जबकि 8 नदियों का जलस्तर बढ़ गया है। उत्तर प्रदेश में लगातार बारिश से नदियां उफान पर हैं। काशी में वरुणा नदी के किनारे रहने वाले 407 परिवारों को सुरक्षित स्थानों पर भेजा गया है। अब तक 2,910 लोग विस्थापित हो चुके हैं। राहत और बचाव कार्य के लिए प्रशासन ने 36 नावें लगाई हैं। बाढ़ के हालात को लेकर पीएम मोदी ने वाराणसी के डीएम और मेयर से बात की। हिमाचल प्रदेश के कई हिस्सों में बुधवार रात तेज बारिश के बाद लैंडस्लाइड की वजह से 175 से ज्यादा सड़कें बंद हो गईं। कालका-शिमला फोरलेन पर भारी मलबा गिर गया। इससे कई गाड़ियां रातभर फंसी रहीं। उत्तराखंड में वर्षा का क्रम जारी है। चारधाम यात्रा सुचारू है, लेकिन यात्रा मार्ग कई स्थानों पर भूस्खलन के कारण खतरनाक बने हुए हैं। नदी-नाले उफान पर हैं। मौसम विभाग ने गुरुवार को देहरादून, टिहरी, उत्तरकाशी, चमोली, नैनीताल, चंपावत, पिथौरागढ़, बागेश्वर व ऊधम सिंह नगर में वर्षा का यलो अलर्ट जारी किया है।

चंडीगढ़-मोहाली सीमा पर ट्रैक्टरों के साथ डटे किसान

- लम्बी लड़ाई की तैयारी, खाना बनाने लिए दिहाड़ी पर बुलायी जा रही हैं महिलाएं

चंडीगढ़/मोहाली। पंजाब के किसानों ने चंडीगढ़-मोहाली सीमा पर अपनी मांगों को लेकर एक बड़ा मोर्चा लगा दिया है। इस आंदोलन में पूरे पंजाब से हजारों की संख्या में ट्रैक्टर और ट्रालियां पहुंच चुकी हैं। किसान नेताओं ने भले ही इसे सात दिन का मोर्चा बताया है। हालांकि, किसान लंबी लड़ाई के लिए पूरी तैयारी के साथ डटे हुए हैं। किसानों ने स्पष्ट किया है कि मांगें पूरी होने तक उनका आंदोलन जारी रहेगा। सरकार की ओर से अब तक कोई ठोस पहल नहीं होने पर किसानों ने इसका सख्त नोटिस लिया है। मोर्चे ने 4 सितंबर को वरिष्ठ पदाधिकारियों की अहम बैठक बुलाई है। बैठक के बाद आंदोलन को लेकर बड़ा एलान किया जा सकता है।

नड्डा को चिट्ठी लिखकर खरगे ने जतायी हैरानी

शुद्धिकरण मामले में एफआईआर का दर्ज नहीं होना घोर आश्चर्य

- करोड़ों की भावनाओं से जुड़ा है मामला

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने राज्यसभा के सदन के नेता जेपी नड्डा को पत्र लिखकर हाल ही में हुए 'शुद्धिकरण' विवाद पर गहरा असंतोष व्यक्त किया है। खरगे ने कहा कि यह हैरानी की बात है कि अभी तक एफआईआर दर्ज नहीं की गई है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे राज्यसभा के सदन के नेता जेपी नड्डा को लिखे पत्र में कहा, 'शुद्धिकरण का मुद्दा मेरे या कांग्रेस अध्यक्ष के पद से कहीं ऊपर है, यह करोड़ों लोगों की भावनाओं से गहराई से जुड़ा है।' खरगे ने नड्डा से कहा कि उत्तराखंड के मुख्यमंत्री को निर्देश दें कि हल्द्वानी में 'शुद्धिकरण' की घटना में शामिल लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की जाए। नड्डा को लिखे पत्र में खरगे ने कहा, आपको याद होगा कि 13 अगस्त 2026 को राज्यसभा में बहुत दुख और पीड़ा के साथ मैंने हल्द्वानी में हुई मेरी 8 अगस्त 2026 की जनसभा के बाद छुआछूत जनित शुद्धीकरण का मुद्दा उठाया था।

टीएमसी के दफ्तर पर हमला हथियारबंद लोगों ने की तोड़फोड़

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस सांसद अभिषेक बनर्जी ने कोलकाता के कैमक स्ट्रीट स्थित उनके पार्टी ऑफिस में BJP के लोगों पर तोड़फोड़ का आरोप लगाया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर CCTV फुटेज जारी कर बताया कि हमलावर गुरुवार सुबह करीब 4:30 बजे आए थे। उन्होंने दावा किया कि हथियारों के साथ आए हमलावरों ने कर्मचारियों से मारपीट की, फोन छीने, फर्नीचर तोड़ा, दफ्तर में सामान बिखेर दिया और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को नुकसान पहु-चाया। अभिषेक के मुताबिक पुलिस को सूचना दी गयी लेकिन दो घंटे तक कोई कार्रवाई नहीं हुई।

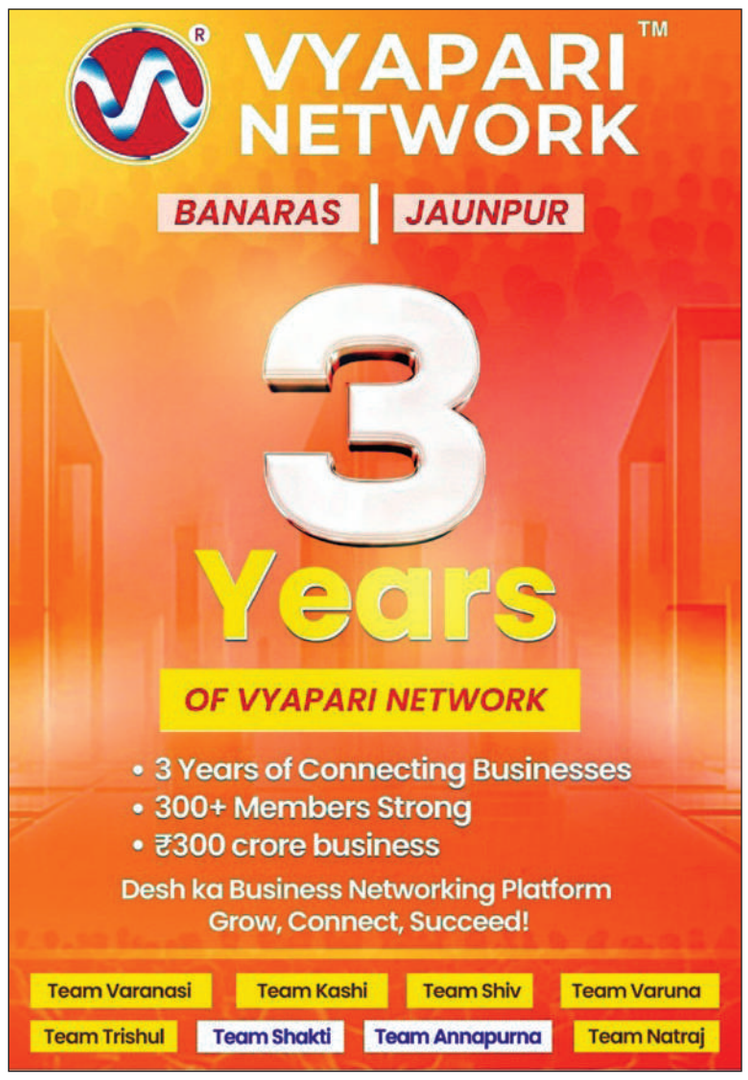

जनमुख
हिन्दी दैनिक
लाइव
● तापमान अधिकतम : 32.8°C
● तापमान न्यूनतम : 21.0°C
● सूर्योदय : 05.19
● सूर्यास्त : 06.30
वाराणसी, 03 सितम्बर, बृहस्पतिवार (2)

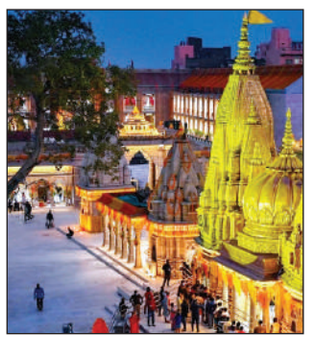

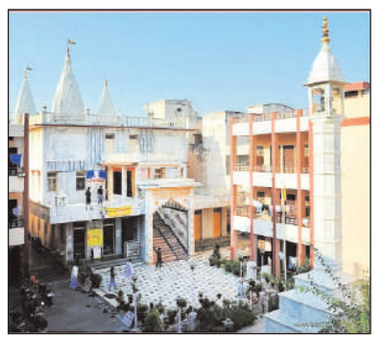

युद्धस्तर पर बाढ़ पीड़ितों को सुविधा

पीएम ने वाराणसी के मेयर और डीएम को फोन कर पूछा काशी का हाल

● शिविरों में बुजुर्गों और महिलाओं का रखा जाय विशेष ध्यान, हालात पर पैनी नजर बनाए रखें, चौकसी और निगरानी में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं

वाराणसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी में बाढ़ और राहत कार्य का हाल लेकर अपनी काशी के बारे में तैयारियों की रूपरेखा भी जानी है। काशी के सांसद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने महापौर अशोक तिवारी और जिलाधिकारी सत्येंद्र कुमार से टेलीफोन पर वाराणसी में बाढ़ की स्थिति पर विस्तृत जानकारी प्राप्त की। प्रधानमंत्री ने जिलाधिकारी को फोन कर पूछा कि नदी के जलस्तर के साथ ही राहत कैम्पों में प्रदान की जा रही जा रही व्यवस्थाएं कैसी हैं और वहां पर अन्य सुविधाओं को लेकर भी उन्होंने विस्तार से जानकारी ली है। प्रधानमंत्री ने इस बाबत निर्देश दिए कि बाढ़ से प्रभावित लोगों के राहत के लिए युद्धस्तर पर कार्य करते हुए उन्हें समस्त आवश्यक सुविधाएं तत्काल उपलब्ध कराना सुनिश्चित कराया जाए एवं लोगों को कम से कम परेशानी हो, इसका विशेष ध्यान रखा जाए। जहां भी राहत सामग्री की अतिरिक्त आवश्यकता हो वहां तत्काल व्यवस्था करते हुए लोगों को राहत पहुंचाने का कार्य त्वरित गति किया जाय। प्रधानमंत्री ने बाढ़ और राहत कार्यों पर लगातार सतर्क नजर रखने एवं प्रभावित लोगों को अविलंब राहत पहुंचाने के निर्देश दिए। बाढ़ राहत शिविरों में रह रहे हैं बच्चों, महिलाओं, बुजुर्गों की विशेष आवश्यकताओं को भी ध्यान में रखते हुए राहत कार्य सुनिश्चित कराए जाए। पीएम ने जिलाधिकारी से पूछा कि वरुणा नदी में बाढ़ की क्या स्थिति है? कितने गांव और लोग प्रभावित हुए हैं? उन्होंने बाढ़ राहत शिविरों के बारे में भी जानकारी की और पूछा कि अब तक कितने लोग इन शिविरों में लाए गए हैं। पीएम ने यह भी पूछा कि गंगा का जलस्तर क्या है और इससे वरुणा नदी पर क्या प्रभाव पड़ा है। इस पर डीएम ने उन्हें बताया कि गंगा अपने चेतावनी बिंदु 70.26 से 30 सेमी ऊपर बह रही हैं। पीएम ने पूछा कि गंगा जी के चेतावनी बिंदु से ऊपर जाने का क्या असर पड़ा है? जिस पर डीएम ने जानकारी दी कि चेतावनी बिंदु से गंगा के ऊपर आने के कारण गंगा का पानी वरुणा में भी पलट रहा है। इससे वरुणा के तटवर्ती 15 मोहल्लों में बाढ़ की स्थिति उत्पन्न हो गई है। उन्होंने जानकारी दी कि प्रभावित इलाकों में राहत और बचाव के कार्य चल रहे हैं। वहीं दूसरी तरफ वाराणसी में गंगा-वरुणा के जलस्तर में लगातार बढ़ोत्तरी की स्थिति बनी हुई है। मौसम विभाग के अनुमानों में बारिश की भी संभावना है। ऐसे में माना जा रहा है कि अब आगे भी कुछ समय तक जलस्तर में बढ़ोत्तरी का क्रम बना रह सकता है। इसकी वजह से तटवर्ती क्षेत्रों में मुसीबतें बढ़ना तय है।

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी कल

● गृहस्थ और वैष्णव के लिए एक ही दिन व्रत, घर और मंदिरों में तैयारियां शुरू

वाराणसी। जन्माष्टमी इस बार 4 सितंबर (शुक्रवार) को मनाई जाएगी। गृहस्थ और वैष्णव संप्रदाय दोनों के लिए जन्माष्टमी का व्रत और जन्मोत्सव इसी दिन पड़ रहा है। इससे 4 और 5 सितंबर को लेकर बनी तारीख की असमंजस की स्थिति भी खत्म हो गई है। काशी के ज्योतिषाचार्य के अनुसार, जन्माष्टमी तय करने में सिर्फ अष्टमी तिथि देखना पर्याप्त नहीं होता, बल्कि जन्म के माने जाने वाले मध्यरात्रि समय में अष्टमी तिथि का रहना जरूरी होता है। पंचांग गणना के मुताबिक, भाद्रपद कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि 4 सितंबर की भोर 2:25 बजे से शुरू होकर 5 सितंबर की रात 12:13 बजे तक रहेगी। यानी 4 सितंबर की मध्यरात्रि में अष्टमी तिथि रहेगी। इसी वजह से जन्माष्टमी का व्रत और भगवान श्रीकृष्ण का प्राकट्य उत्सव 4 सित. को ही मनाया जाएगा। 4 सितंबर को दिन की शुरुआत हर्षण योग में होगी, जो दोपहर 3 बजकर 44 मिनट तक रहेगा। इसके बाद वज्र योग शुरू होगा। यह 5 सितंबर को दोपहर 12 बजकर 47 मिनट तक रहेगा। नक्षत्र की बात करें, तो 4 सितंबर को रात 11 बजकर 4 मिनट तक रोहिणी नक्षत्र रहेगा। इसके बाद मृगशिरा नक्षत्र लग जाएगा। यानी भगवान श्रीकृष्ण की जन्म पूजा के निर्धारित मध्यरात्रि समय में मृगशिरा नक्षत्र और वज्र योग का संयोग रहेगा। जन्माष्टमी की पूजा केवल कर्मकांड तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें भक्तिभाव का विशेष महत्व है।

आउटसोर्स सेवा निगम का शुभारंभ

वाराणसी (जनमुख डेस्क)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को लखनऊ के लोक सभागार से संपूर्ण आउटसोर्स मानव संसाधन प्रबंधन के डिजिटल एकीकरण हेतु उत्तर प्रदेश आउटसोर्स सेवा निगम (upcos) का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने upcos के पोर्टल और वेबसाइट को लांच किया तथा लोगो (Logo) का अनावरण किया। उनके द्वारा आउटसोर्स कर्मचारियों को प्रतीकात्मक चेक वितरण किया। आउटसोर्स कर्मियों के बढ़े पारिश्रमिक एवं अन्य उदघोषणाओं संबंधी कार्यक्रम का सजीव प्रसारण कमिश्नरी ऑडिटोरियम में किया गया। कार्यक्रम में राज्य मंत्री एमएसएमई विभाग/एमएलसी हंसराज विश्वकर्मा, जिला पंचायत अध्यक्ष पूनम मौर्या, विधायक अवधेश सिंह, एमएलसी धर्मेंद्र सिंह उपस्थित रहे।

मंत्री ने की बाढ़ राहत कार्यों की समीक्षा

वाराणसी (जनमुख डेस्क)। प्रदेश के स्टाम्प एवं न्यायालय पंजीयन शुल्क राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) रविन्द्र जायसवाल ने बुधवार को सर्किट हाउस सभागार में अधिकारियों के साथ बैठक कर जनपद में बाढ़ की स्थिति से निपटने के लिए किये जा रहे राहत कार्यों की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने निर्देशित करते हुए कहा कि बाढ़ प्रभावित हर व्यक्ति को शासन द्वारा उपलब्ध कराए जा रहे राहत सुविधाओं को प्राथमिकता पर मुहैया कराया जाए। बाढ़ राहत शिविरों में रह रहे लोगों को किसी भी प्रकार की असुविधा कत्तई नहीं होनी चाहिए। शिविर में रह रहे लोगों को रहने, खाने, जरूरत के अनुसार चिकित्सा सुविधा आदि की समुचित व्यवस्था के अलावा बुजुर्गों एवं बच्चों के लिए दूध एवं फल आदि की व्यवस्था सुनिश्चित करने हेतु निर्देशित किया।

नौका बनी आवागमन का एकमात्र साधन

● खतरे के निशान के करीब पहुंचीं गंगा, पलट प्रवाह से वरूणा के तटवर्ती इलाके जलमग्न

वाराणसी। केंद्रीय जल आयोग की ओर से जारी रिपोर्ट के अनुसार बीते चौबीस घंटों में वाराणसी में गुरुवार की सुबह आठ बजे तक 28.2 मि.मी. तक बारिश दर्ज की गई है। गंगा का यहां चेतावनी बिन्दु 70.262 मीटर है, जिसके ऊपर ही गंगा बह रही हैं। जबकि खतरा बिन्दु 71.262 मीटर है। वहीं अब तक सर्वकालिक जलस्तर अधिकतम 73.901 मीटर दर्ज किया गया है। वहीं गुरुवार की सुबह तक गंगा का जलस्तर 70.56 मीटर हो चुका है। जबकि 1cm/hr की गति से गंगा का जलस्तर अभी भी बढ़ रहा है। वहीं बीते चौब्बीस घंटों में 28cm तक जलस्तर बढ़ चुका है। बाढ़ का दौर अब भी लगातार जारी होने से गलियों में नौकाएं ही यातायात का एक मात्र साधन बची हैं। माना जा रहा है कि अब जल्द ही शहर के अन्य निचले क्षेत्रों में भी नौका संचालन की नौबत आ सकती है। वहीं दूसरी ओर गंगा में बाढ़ के बाद पलट प्रवाह से वरुणा भी उफान पर है। सैकड़ों घर और दर्जनों मोहल्लों में पानी प्रवेश करने के बाद लोगों के सामान खरीदने के लिए आवागमन को नाव ही सहारा बची है। नौकाओं से ही लोग बाजार हाट कर पा रहे हैं। स्कूल ना जा पाने से छात्र भी घर में कैद हैं। जबकि जहां निचले स्थानों पर पानी भर चुका है वहां के लोग बाढ़ राहत शिविर या दूसरे किराए के घरों का रुख कर चुके हैं।

जलभराव से मुक्ति के लिए स्थायी प्रस्ताव तैयार करने में जुटा नगर निगम

वाराणसी (जनमुख डेस्क)। नगर आयुक्त हिमांशु नागपाल ने नवविस्तारित क्षेत्रों के साथ चौक स्थित ऐतिहासिक आदिविश्वेश्वर वार्ड का स्थलीय निरीक्षण कर हालात का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को सख्त हिदायत दी कि जलभराव से मुक्ति के लिए केवल खानापूर्ति न की जाए, बल्कि ठोस एवं स्थायी प्रस्ताव तैयार कर उन पर तत्काल अमल शुरू किया जाए। निरीक्षण के क्रम में नगर आयुक्त चितईपुर स्थित आदित्य नगर तालाब के पूर्व विवेका नगर पहुंचे। यहां पाया गया कि पंचकोशी, सुसुवाही और वैष्णो नगर का पानी कच्चे नाले से होकर अस्सी नाले में गिरता है। नगर आयुक्त ने सीएंडडीएस के परियोजना प्रबंधक को तुरंत सर्वे कराकर पक्का नाला बनाने का प्रस्ताव भेजने के निर्देश दिए।

वरुणा तटवर्ती क्षेत्रों में बनेगी फ्लड पिलर महापौर ने जलभराव को लेकर की समीक्षा

वाराणसी (जनमुख डेस्क)। वरुणा नदी के तटवर्ती इलाकों में बाढ़ के समय सीवर के बैक-फ्लो को बाधित करने के लिए नगर निगम 'फ्लड पिलर' बनाने की योजना बना रहा है । दूसरी ओर शहर में हो रही लगातार बारिश के कारण तैरते कचरे (फ्लोटिंग मैटेरियल) से गली पिट जाम हो रहे हैं, जिससे जलजमाव की समस्या उत्पन्न हो रही है। इस पर कड़ा रुख अपनाते हुए महापौर अशोक कुमार तिवारी ने स्वास्थ्य, सामान्य और जलकल विभाग को आपस में बेहतर समन्वय बनाकर गली पिटों की नियमित सफाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।नगर आयुक्त हिमांशु नागपाल ने बताया कि बीएचयू अस्पताल में हाल ही में हुए जलभराव पर नगर निगम की नजर है। इसके लिए बीएचयू प्रशासन के साथ मिलकर 'स्टॉर्म वॉटर' योजना बनाई जा रही है और

मारवाड़ी महिला संगठन की अध्यक्षा बनीं अनीता और सचिव प्रीति

● मारवाड़ी समाज ने धूमधाम से मनाया मेघ मल्हार

वाराणसी (जनमुख डेस्क)। मारवाड़ी महिला संगठन का लक्सा स्थित मारवाड़ी समाज में 'मेघ मल्हार' का कार्यक्रम बहुत धूमधाम से मनाया गया, कार्यक्रम संयोजिकाएं आरती मोदी, दीपाली भालोटिया व निधि जसरापुरिया थीं। अति सुंदर मोर नृत्य सुरुचि जालान व आकांक्षा गोयल ने किया। सावन के सुंदर कजरी गायन में आरती मोदी, अनीता जसरापुरिया आदि ने गीतों से लोगों को झूमने पर विवश कर दिया। कॉमेडी स्किट मधु तुलस्यान व प्रीति बाजोरिया ने किया। महिलाओं ने हौजी गेम और स्वादिष्ट व्यंजनों का भी लुत्फ उठाया। सरिता सराफ, उमा बजाज, किरण तुलस्यान, रजनी अग्रवाल, उमा अग्रवाल, राधा अग्रवाल आदि उपस्थित रहीं। मारवाड़ी महिला संगठन 2026-28 का दायित्व ग्रहण प्रेम व सौहार्द के माहौल में संपन्न हुआ। संरक्षक मंडल के अध्यक्ष उमाशंकर अग्रवाल ने नई कमेटी का दायित्व पदग्रहण कराया। वर्तमान अध्यक्षा कविता भालोटिया व सचिव श्रद्धा अग्रवाल ने नई अध्यक्षा अनीता गिनोडिया व नई सचिव प्रीति केजरीवाल को दायित्व सौंपा।

खालिद अंसारी ने बढ़ाया काशी का मान

● यूनेस्को हाउस में मिला 'विज़नरी एंटरप्रेन्योर अवॉर्ड'

वाराणसी (जनमुख डेस्क)। उद्यमिता, व्यवसायिक उत्कृष्टता और सतत विकास के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए डकोरल ग्रुप के प्रबंध निदेशक खालिद अंसारी को नई दिल्ली स्थित यूनेस्को हाउस, डयूनेस्को रीजनल ऑफिस फॉर साउथ एशिया में आयोजित वैश्विक सम्मेलन में 'विज़नरी एंटरप्रेन्योर अवॉर्ड' से सम्मानित किया गया। 26 अगस्त 2026 को आयोजित 'ग्लोबल कॉन्फ्रेंस ऑन सस्टेनेबल डेवलपमेंट एंड बिजनेस एक्सीलेंस' का आयोजन यूनेस्को (UNESCO) एवं वर्ल्ड एसोसिएशन फॉर स्मॉल एंड मीडियम एंटरप्राइजेज (WASME) के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। सम्मेलन में सतत विकास, उद्यमिता, नवाचार, व्यवसायिक उत्कृष्टता और छोटे एवं मध्यम उद्यमों की भूमिका जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा हुई। इस अवसर पर यूनेस्को रीजनल ऑफिस फॉर साउथ एशिया के डायरेक्टर एवं रिप्रेजेंटेटिव टिम कर्टिस (Mr. Tim Curtis) ने खालिद अंसारी को यह प्रतिष्ठित सम्मान प्रदान किया। ग्लोबल कॉन्फ्रेंस में विभिन्न देशों के राजनयिकों, यूनेस्को के वरिष्ठ अधिकारियों एवं अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों की उपस्थिति रही। इनमें टिम कर्टिस, डायरेक्टर एवं रिप्रेजेंटेटिव, यूनेस्को रीजनल ऑफिस फॉर साउथ एशिया, बेन्नो बोअर, चीफ प्रोग्राम स्पेशलिस्ट, यूनेस्को रीजनल ऑफिस फॉर साउथ एशिया तथा राम बूझ, पूर्व डायरेक्टर, यूनेस्को शामिल रहे। अंगोला गणराज्य के राजदूत क्लेमेंटे पेड्रो फ्रांसिस्को कैमेनहा, फिजी के राजदूत जगन्नाथ सामी तथा इथियोपिया के संघीय लोकतांत्रिक गणराज्य के दूतावास के चार्जे डी अफेयर्स नेबियू टेडला की भी मौजूदगी रही। ऑस्ट्रियन एंबेसी की लिसा-मैरी पियरिंगर, डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ तिमोर-लेस्ते के राजदूत कार्लिटो नून्स, नीदरलैंड्स के राजनयिक प्रतिनिधियों, इराक दूतावास के चार्जे डा अफेयर्स ओडे हाटिम मोहम्मद आदि मौजूद रहे।

पूर्वोत्तर रेलवे

ई–नीलामी सूचना

मण्डल रेल प्रबंधक (वाणिज्य), पूर्वोत्तर रेलवे, वाराणसी द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्य के आवंटन हेतु ई–नीलामी (E-AUCTION) किया जाना है।

ऑक्शन कैटलॉग नम्बर BSB13PAYNUSE26	
कार्य का विवरण	ई–नीलामी का समय
छपरा जं. (पी.एफ.–I) स्टेशन स्थित (पे एंड यूज शौचालय) का ठेका	11:00 बजे से 11:30 बजे तक
करीमुद्दीन स्टेशन स्थित (पे एंड यूज शौचालय) का ठेका	11:00 बजे से 11:40 बजे तक
मशरख स्टेशन स्थित (पे एंड यूज शौचालय) का ठेका	11:00 बजे से 11:50 बजे तक
बनारस (पी.एफ.–I) स्टेशन स्थित (पे एंड यूज शौचालय) का ठेका	11:00 बजे से 12:00 बजे तक
अवधि: 3 वर्ष	ई–नीलामी की तिथि: 04.09.2026
ऑक्शन कैटलॉग नम्बर BSB14PAYNUSE26	
कार्य का विवरण	ई–नीलामी का समय
सीवान जं. स्टेशन स्थित (पे एंड यूज शौचालय) का ठेका	10:00 बजे से 10:30 बजे तक
अवधि: 3 वर्ष	ई–नीलामी की तिथि: 09.09.2026
ऑक्शन कैटलॉग नम्बर BSB17PARKING26	
कार्य का विवरण	ई–नीलामी का समय
करीमुद्दीन स्टेशन स्थित (दो/तीन/चार पहिया) स्टैण्ड का ठेका	10:00 बजे से 10:30 बजे तक
गोपालगंज स्टेशन स्थित (दो/तीन/चार पहिया स्टैण्ड) का ठेका	10:00 बजे से 10:40 बजे तक
जखनियाँ स्टेशन स्थित (दो/तीन/चार पहिया स्टैण्ड) का ठेका	10:00 बजे से 10:50 बजे तक
चितबडागांव स्टेशन स्थित (दो/तीन/चार पहिया स्टैण्ड) का ठेका	10:00 बजे से 11:00 बजे तक
माधोसिंह स्टेशन स्थित (दो/तीन/चार पहिया स्टैण्ड) का ठेका	10:00 बजे से 11:10 बजे तक
गौरीबाजार स्टेशन स्थित (दो/तीन/चार पहिया स्टैण्ड) का ठेका	10:00 बजे से 11:20 बजे तक
अवधि: 3 वर्ष	ई–नीलामी की तिथि: 09.09.2026

• ई–नीलामी (E-Auction) IREPS पोर्टल पर ऑनलाईन होगी। • ई–नीलामी (E-Auction) में भाग लेने के लिए इच्छुक व्यक्ति द्वारा IREPS पोर्टल पर ₹10,000/– (Non Refundable) ऑनलाईन जमा कर एक बार (One time Registration) करना आवश्यक है। साथ ही उसे SBI (स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया) में करेंट खाता हो, जिसे IREPS पोर्टल से लिंक करना आवश्यक होगा। EMD कांट्रेक्ट की वार्षिक कीमत का 10% (अर्नेस्ट मनी दस प्रतिशत) होगी, जिसका भुगतान/कटौती उसी खाते से होगी। • ई–नीलामी (E-Auction) से संबंधित नियम एवं शर्तों की संपूर्ण जानकारी IREPS पोर्टल www.ireps.gov.in के E-Auction Leasing Section में उपलब्ध है।

मुजाधि/वाणिज्य–124 सहायक वाणिज्य प्रबन्धक, वाराणसी

ट्रेनों में बीड़ी/सिगरेट न पियें

जनमुख परामर्श मंडल

एस. कुमार
राष्ट्रीय अध्यक्ष
सिंधी काउंसिल ऑफ इंडिया

संतोष अग्रवाल हरे कृष्ण ज्वैलर्स
सभापति, श्री काशी अग्रवाल समाज

श्रीनारायण खेमका
अध्यक्ष : अखिल भारतीय मारवाड़ी सम्मेलन

वी.के.जैन
अध्यक्ष
जैन मिलन, वाराणसी

डा. एस.के.पाठक
वरिष्ठ चिकित्सक

डा. नीलम ओहरी
स्त्री रोग विशेषज्ञ

प्रधान सम्पादक
ब्रजेश कुमार राय 'शर्मा'
समाचार सम्पादक
सरोज सिन्हा
स्वत्वाधिकारी व स्वामी ब्रजेश कुमार राय 'शर्मा' द्वारा 'गिरीश प्रिंटिंग प्रेस से मुद्रित एवं कार्यालय बी 3/1 काशीराज अपार्टमेंट नदेसर 221002 वाराणसी से प्रकाशित एवं प्रसारित।
रजि.33134/78.
फोन : 0542-2500324 9336929544
Email : janmukh.vns@gmail.com

सम्पादकीय

मोहन भागवत की अमेरिका यात्रा

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत की अगस्त 2026 की अमेरिका यात्रा को केवल प्रवासी भारतीयों के एक कार्यक्रम तक सीमित करके देखना उसके व्यापक अर्थ को छोटा करना होगा। न्यूयार्क में 29 अगस्त को आयोजित 'एक विश्व, एक मानवता' कार्यक्रम में उनका संबोधन ऐसे समय हुआ, जब संघ को लेकर भारत ही नहीं, विदेशों में भी अनेक धारणाएं, आरोप और पूर्वाग्रह सार्वजनिक विमर्श का हिस्सा बने हुए हैं। ऐसे वातावरण में भागवत ने जिस प्रकार विविधता, संवाद, सेवा, सह-अस्तित्व और मानवीय एकात्मता को केंद्र में रखा, उसने संघ की विचारधारा को उसके समर्थकों के लिए ही नहीं, बल्कि वैश्विक समाज के सामने भी एक अलग दृष्टि से प्रस्तुत किया। यह यात्रा इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि संघ अपना शताब्दी वर्ष मना रहा है और उसके विचार अब भारत की सीमाओं से बाहर भी व्यापक चर्चा का विषय बन रहे हैं। भागवत का अमेरिका जाना वस्तुतः संघ के विचार को प्रत्यक्ष संवाद के माध्यम से समझाने का अवसर बना। संघ के बारे में भारत में लंबे समय से दो विपरीत धारणाएं दिखाई देती रही हैं। एक पक्ष उसे भारतीय संस्कृति, राष्ट्रभावना, सेवा और सामाजिक संगठन की वि-राट शक्ति मानता है, जबकि दूसरा पक्ष उसके विचारों को संकीर्ण धार्मिक राजनीति से जोड़कर देखता है। कांग्रेस सहित विभिन्न विपक्षी दलों ने समय-समय पर संघ और उसके विचारों पर गंभीर राजनी-तिक प्रश्न उठाए हैं। अमेरिका में भी कार्यक्रम से पहले कुछ संगठनों और राजनीतिक व्यक्तियों ने भागवत की यात्रा और संघ की विचारधारा पर आपत्तियां व्यक्त कीं। ऐसे माहौल में किसी संस्था की वास्तविक छवि केवल आरोप-प्रत्यारोप से नहीं बनती, वह संवाद से बनती है। यही इस यात्रा का सबसे बड़ा महत्व है। भागवत ने अपने विचार विरोधियों पर आक्रमण करके नहीं, बल्कि भारतीय चिंतन की व्याख्या करके सामने रखे। इससे संघ को लेकर बनी धारणाओं पर बहस का एक नया आधार तैयार हुआ।

यूयार्क में भागवत के वक्तव्य का सबसे अधिक चर्चित पक्ष उनका हि-दू-मुस्लिम संबंधों पर स्पष्ट कथन रहा। उन्होंने कहा कि यदि कोई हिंदू यह मानता है कि भारत में मुसलमानों के लिए स्थान नहीं होना चाहिए, तो वह हिंदू नहीं रह सकता। यह कथन राजनीतिक नारे से अधिक महत्वपूर्ण इसलिए है कि इसमें हिंदुत्व की उनकी व्याख्या को सामाजिक समावेश के साथ जोड़ा गया है। उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि सत्य एक है और उसे समझने तथा व्यक्त करने के मार्ग अलग-अलग हो सकते हैं। भारतीय परंपरा की यही विशेषता है कि वह मतभिन्नता को अस्तित्व के संकट के रूप में नहीं, बल्कि सत्य की विविध अभिव्यक्तियों के रूप में देखने की क्षमता रखती है। यहां एक महत्वपूर्ण प्रश्न सामने आता है-यदि हिंदुत्व का अर्थ भारत की सांस्कृतिक चेतना है, तो क्या वह किसी समुदाय को भारत से बाहर कर सकता है? भागवत का उत्तर स्पष्ट रूप से नकारात्मक दिखाई देता है। उनका कथन हिंदुत्व की उस व्याख्या को सामने रखता है, जिसमें भारतीयता किसी एक पूजा-पद्धति की बपौती नहीं, बल्कि साझा सांस्कृतिक विरासत है।

भागवत के अमेरिकी संबोधन में भारत की इसी भूमिका की कल्पना दिखाई दी-एक ऐसा भारत जो अपनी परंपरा के बल पर विश्व को सह-अस्तित्व, संवाद और एकात्मता का रास्ता दिखा सके। मोहन भागवत की यह यात्रा इसलिए स्मरणीय रहेगी कि उसने संघ के बारे में चल रही बहस को भारत की सीमाओं से निकालकर विश्व के सार्वजनिक विमर्श में पहुंचा दिया। अब संघ की पहचान केवल उसके विरोधियों के आरोपों या समर्थकों के दावों से नहीं, बल्कि उसके विचार, उसके व्यवहार और समाज के साथ उसके संवाद से तय होगी। लेकिन संघ प्रमुख के विचार उनके संगठन द्वारा कितना जमीन पर उतारा जाता है उसका भी महत्वपूर्ण योगदान रहेगा। क्योंकि विचारों को बिना वास्तविक धरातल पर क्रियान्वित किए वे थोथे प्रवचन मात्र बन कर रह जाते हैं। तो आने वाले समय देखना होगा कि संघ प्रमुख द्वारा वैश्विक स्तर पर कही बात कितनी जमीन पर उतरती है।

पीएचडी धारकों को मिले सम्मान अधिकार और उचित अवसर

डॉ. चंद्रशेखर आज़ाद
रिसर्च साइंटिस्ट AIIMS, नई दिल्ली

भारत आज विश्व के उन देशों में शामिल है जहाँ उच्च शिक्षा और शोध को निरंतर बढ़ावा दिया जा रहा है। हर वर्ष हजारों विद्यार्थी 5 से 7 वर्ष का समय, अपनी युवावस्था, आर्थिक संसाधन और अथक परिश्रम लगाकर पीएचडी जैसी सर्वोच्च शैक्षणिक उपाधि प्राप्त करते हैं। यह केवल एक डिग्री नहीं, बल्कि शोध, नवाचार, धैर्य और ज्ञान के प्रति समर्पण का प्रतीक है। लेकिन दुखद वास्तविकता यह है कि पीएचडी पूरी करने के बाद बड़ी संख्या में शोधार्थियों को उनकी योग्यता के अनुरूप रोजगार नहीं मिल पाता। विशेष रूप से निजी महाविद्यालयों में अनेक पीएचडी धारकों को मात्र 15,000 से 20,000 प्रतिमाह के वेतन पर नियुक्त किया जाता है। यह न केवल उनकी योग्यता का अपमान है, बल्कि देश की सर्वोच्च शैक्षणिक उपाधि का भी अवमूल्यन है। यदि कोई व्यक्ति अपने जीवन के 5–7 वर्ष शोध में समर्पित करता है, तो उसके ज्ञान और योग्यता का उचित सम्मान होना चाहिए। किसी भी सभ्य समाज में सर्वोच्च शैक्षणिक योग्यता रखने वाले व्यक्ति का आर्थिक और पेशेवर शोषण स्वीकार्य नहीं हो सकता।

इसी संदर्भ में समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है कि भारत में एक 'इंडियन डॉक्टरेट एसोसिएशन (Indian Doctorate Association – IDA)' का गठन किया जाए। यह संगठन देशभर के पीएचडी धारकों की आवाज़ बने, उनके अधिकारों की रक्षा करे तथा सरकार, विश्वविद्यालयों और नियामक संस्थाओं के समक्ष उनकी समस्याओं को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करे।

भारतीय डॉक्टरेट एसोसिएशन के प्रमुख उद्देश्य

पहला, किसी भी महाविद्यालय—चाहे वह सरकारी हो या निजी—में पीएचडी धारक को नियुक्त करने से पहले उसका वैधानिक शिक्षण अनुमोदन (Teaching Approval) अनिवार्य रूप से जारी किया जाए। अनुमोदन के बाद ही नियुक्ति प्रभावी हो, जिससे पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित हो सके। दूसरा, 'वन कंट्री–वन सैलरी' की अवधारणा लागू की जाए। यदि UGC ने सहायक प्राध्यापक के लिए न्यूनतम मूल वेतन 57,700 निर्धारित किया है, तो निजी महाविद्यालयों को भी कम-से-कम यही मूल वेतन देना अनिवार्य होना चाहिए। भत्तों में अंतर हो सकता है, लेकिन मूल वेतन में नहीं। इससे योग्य शिक्षकों के आर्थिक शोषण पर रोक लगेगी।

तीसरा, प्रत्येक महाविद्यालय की वेबसाइट पर वहाँ कार्यरत सभी शिक्षकों की अद्यतन प्रोफ़ाइल, फोटो, योग्यता, शोध कार्य, प्रकाशन और उपलब्धियाँ सार्वजनिक रूप से उपलब्ध हों। इससे विद्यार्थी प्रवेश लेने से पहले यह जान सकेंगे कि उन्हें कौन पढ़ाने वाला है और संबंधित शिक्षक की शैक्षणिक गुणवत्ता क्या है।

चौथा, 'वन टीचर–वन अप्रूवल' की नीति लागू हो। एक शिक्षक या पीएचडी धारक का अनुमोदन केवल एक ही संस्थान में मान्य हो। यदि कोई व्यक्ति अपनी योग्यता का उपयोग एक से अधिक संस्थानों में केवल कागज़ों पर कर रहा है, तो उसके विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाए। इसी प्रकार यदि कोई संस्थान किसी योग्य पीएचडी धारक का नाम दिखाकर वास्तविक शिक्षण किसी अयोग्य व्यक्ति से करवा रहा है, तो उस संस्थान की मान्यता पर भी कठोर कार्रवाई होनी चाहिए।

पाँचवाँ, देश में पीएचडी प्रवेश नीति पर भी गंभीर पुनर्विचार आवश्यक है। शोध का उद्देश्य केवल अधिक संख्या में पीएचडी तैयार करना नहीं होना चाहिए, बल्कि गुणवत्तापूर्ण शोधकर्ताओं का निर्माण और उनके लिए सम्मानजनक रोजगार सुनिश्चित करना होना चाहिए। उच्च शिक्षा संस्थानों की वास्तविक आवश्यकता, उपलब्ध रिक्तियों और राष्ट्रीय शोध आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए दीर्घकालिक योजना बनाई जानी चाहिए। आज आवश्यकता इस बात की नहीं है कि हम केवल यह गिनें कि भारत में हर वर्ष कितनी पीएचडी उपाधियाँ प्रदान की जा रही हैं। आवश्यकता इस बात की है कि हम यह सुनिश्चित करें कि उन शोधकर्ताओं का भविष्य सुरक्षित, सम्मानजनक और प्रेरणादायक हो। पीएचडी कोई साधारण डिग्री नहीं है। यह ज्ञान का सर्वोच्च प्रमाण है। यदि समाज और शिक्षा व्यवस्था इस डिग्री का सम्मान नहीं करेगी, तो भविष्य में प्रतिभाशाली युवा शोध के क्षेत्र में आने से हिचकेंगे। इसका सीधा प्रभाव देश की वैज्ञानिक प्रगति, नवाचार और वैश्विक प्रतिस्पर्धा पर पड़ेगा।

अब समय आ गया है कि भारत में पीएचडी धारकों के लिए एक सशक्त, स्वतंत्र और राष्ट्रीय मंच का निर्माण किया जाए, जो उनके अधिकारों, सम्मान, रोजगार और शोध की गुणवत्ता के लिए निरंतर कार्य करे। क्योंकि डिग्री केवल दी नहीं जानी चाहिए, उसे सम्मान और मूल्य भी मिलना चाहिए।

मिनिमली इनवेसिव स्पाइन सर्जरी का विकास

मरीजों की बेहतर देखभाल में आया बड़ा बदलाव

डॉ. प्रांकुल सिंघल

पिछले कुछ वर्षों में न्यूरोसर्जरी के क्षेत्र में स्पाइन से जुड़ी बीमारियों के इलाज में उल्लेखनीय बदलाव आया है। पहले 'स्पाइन सर्जरी' का नाम सुनते ही मरीजों के मन में डर पैदा हो जाता था। पारंपरिक सर्जरी में बड़े चीरे लगाने पड़ते थे, अस्पताल में लंबे समय तक रहना पड़ता था और रिकवरी के दौरान काफी दर्द होता था। आज मिनिमली इनवेसिव स्पाइन सर्जरी (MISS) के विकास ने स्पाइन के इलाज के तरीके को काफी बदल दिया है। कई पारंपरिक ओपन सर्जरी की जगह अब छोटे चीरे, एडवांस टेक्नोलॉजी और अधिक आरामदायक रिकवरी वाली तकनीकों का इस्तेमाल किया जा रहा है।

मैक्स सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल, नोएडा के न्यूरोसर्जरी विभाग के एसोसिएट डायरेक्टर एवं यूनिट हेड डॉ. प्रांकुल सिंघल ने बताया 'जब क्षतिग्रस्त डिस्क या हड्डी का बढ़ा हुआ हिस्सा स्पाइनल कॉर्ड की नाजुक नसों पर दबाव डालता है, तो कमर या पीठ में तेज दर्द, हाथ-पैरों में सुन्नपन, झनझनाहट या कमजोरी जैसी समस्याएं हो सकती हैं। यदि फिजिकल थेरेपी, आराम और दवाओं से राहत नहीं मिलती, तो दबाव में आई नस को मुक्त करने और मरीज की क्वालिटी ऑफ लाइफ बेहतर करने के लिए सर्जरी की जरूरत पड़ सकती है। पारंपरिक 'ओपन' स्पाइन सर्जरी में सर्जन को पीठ पर अपेक्षाकृत बड़ा चीरा लगाना पड़ता है और प्रभावित हिस्से तक पहुंचने के लिए मांसपेशियों को स्पाइन से अलग करना पड़ता है। इसे इस तरह समझ सकते हैं जैसे घर में सिर्फ एक लीकेज पाइप को ठीक करने के लिए पूरी दीवार तोड़नी पड़े।

डॉ. प्रांकुल ने आगे बताया 'मिनिमली इनवेसिव स्पाइन सर्जरी ने इस पूरी प्रक्रिया को बदल दिया है। इसमें लंबे चीरे की जगह बहुत छोटा चीरा लगाया जाता है, जो अक्सर एक सिक्के से भी बड़ा नहीं होता। इसके बाद एक विशेष उपकरण, जिसे ट्यूब्यूलर रिट्रैक्टर कहा जाता है, का इस्तेमाल किया जाता है। इस पतली ट्यूब को त्वचा के रास्ते स्पाइन तक सावधानी से पहुंचाया जाता है।

MISS में पीठ की मांसपेशियों को काटने या उन्हें हड्डी से अलग करने की जरूरत कम होती है, इसलिए मरीजों को इसके कई फायदे मिलते हैं। सर्जरी के बाद दर्द काफी कम होता है और दर्द की दवाओं की जरूरत भी कम पड़ती है। ब्लड लॉस न्यूनतम होता है और इंफेक्शन का जोखिम भी काफी कम हो जाता है।

MISS एक बेहद एडवांस तकनीक है, लेकिन सर्जरी केवल किसी स्ट्रक्चरल समस्या को ठीक करने का एक माध्यम है। स्पाइन को लंबे समय तक स्वस्थ बनाए रखने के लिए हमारी लाइफस्टाइल महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। रिकवरी के शुरुआती दिनों में वॉक करना सबसे अच्छी थेरेपी में से एक है। पूरी तरह ठीक होने के बाद शरीर का स्वस्थ वजन बनाए रखना और कोर मसल्स को मजबूत करना जरूरी है, ताकि रोजमर्रा की गतिविधियों के दौरान स्पाइन पर पड़ने वाला दबाव कम किया जा सके।

बी.एस.सी. समस्या नहीं, असली समस्या रोजगार सृजन की है

डॉ. प्रीति वर्मा
Assistant Professor, Botany

नेपाल की फ्लैश फ्लड हमें यह सोचने पर मजबूर करती है कि हमें यह पूछना बंद करना होगा कि 'किस डिग्री में सबसे अधिक स्कोप है?' और यह पूछना होगा कि 'हम किस तरह का समाज और भविष्य तैयार कर रहे हैं?' आजकल विद्यार्थियों और अभिभावकों से अक्सर कहा जाता है—'बी.एससी. में अब क्या रखा है?', 'बी.ए. या बी.कॉम. करने से क्या मिलेगा?', 'इससे अच्छा डेटा साइंस, एआई या कोई हाई-डिमांड कोर्स कर लो।'

लेकिन क्या वास्तव में समस्या किसी डिग्री की है? हिमालयी क्षेत्र में नेपाल में हुई हालिया फ्लैश फ्लड जैसी प्राकृतिक आपदाएँ हमें एक बड़े सवाल के सामने खड़ा करती हैं—क्या हमारा वैज्ञानिक और पर्यावरणीय ज्ञान तथा हमारी आपदा-पूर्व तैयारी पर्याप्त है?

जलवायु परिवर्तन अब केवल किताबों में पढ़ाया जाने वाला पर्यावरणीय विषय नहीं है। इसका सीधा संबंध जल सुरक्षा, कृषि, जैव विविधता, स्वास्थ्य, आधारभूत संरचना और मानव जीवन से है।

इन चुनौतियों को समझने के लिए हमें प्रकृति को समझने वाले वैज्ञानिकों की आवश्यकता है।

हमें वनस्पतिशास्त्रियों की जरूरत है, जो पौधों, पारिस्थितिकी तंत्र और जैव विविधता को समझते हैं। हमें प्राणीशास्त्रियों और पारिस्थितिकीविदों की जरूरत है, जो जीव-जंतुओं और उनके पर्यावरणीय संबंधों का अध्ययन करते हैं। हमें भूवैज्ञानिकों और पर्यावरण वैज्ञानिकों की जरूरत है, जो प्राकृतिक एवं पर्यावरणीय जोखिमों को समझ सकें। हमें मौसम वैज्ञानिकों और जल वैज्ञानिकों की आवश्यकता है। साथ ही डेटा वैज्ञानिकों, एआई विशेषज्ञों और इंजीनियरों की भी जरूरत है।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि इन सभी क्षेत्रों को एक-दूसरे के साथ मिलकर काम करना होगा।

डेटा साइंस, विज्ञान का विकल्प नहीं है

आज डेटा साइंस और एआई को भविष्य का सबसे बड़ा क्षेत्र बताकर विद्यार्थियों को पारंपरिक विषयों से दूर करने की प्रवृत्ति बढ़ रही है। लेकिन हमें यह समझना होगा कि डेटा अपने आप कोई अर्थ नहीं बताता। एआई हजारों पर्यावरणीय आंकड़ों, सैटेलाइट तस्वीरों, तापमान, वर्षा और जलस्तर के रिकॉर्ड का विश्लेषण कर सकता है। लेकिन यह समझने के लिए कि इन आंकड़ों का वैज्ञानिक अर्थ क्या है, मूलभूत विज्ञान का ज्ञान आवश्यक है।

सही वैज्ञानिक प्रश्न कौन पूछेगा?

कौन तय करेगा कि कौन-से आंकड़े महत्वपूर्ण हैं? कौन यह समझेगा कि किसी मॉडल का परिणाम वास्तविक दुनिया में वैज्ञानिक रूप से सही है या नहीं? यहीं पर फाउंडेशनल साइंस और बुनियादी शिक्षा की भूमिका सामने आती है। विज्ञान की समझ के बिना डेटा का विश्लेषण संभव है, लेकिन उसका सही वैज्ञानिक अर्थ समझना कठिन है। समस्या बी.एससी. की नहीं, रोजगार सृजन की है। यह बात विद्यार्थियों और अभिभावकों तक स्पष्ट रूप से पहुँचनी चाहिए।

यदि किसी विषय में पढ़ने वाले हजारों विद्यार्थी हैं, लेकिन उनके लिए पर्याप्त शोध संस्थान, प्रयोगशालाएँ, पर्यावरणीय निगरानी केंद्र, विश्वविद्यालय, उद्योग और सरकारी अवसर नहीं हैं, तो इसका अर्थ यह नहीं है कि वह विषय बेकार है। इसका अर्थ है कि उस क्षेत्र में पर्याप्त अवसर और रोजगार पैदा नहीं किए गए हैं।

इसलिए सवाल यह नहीं होना चाहिए कि 'बी.एससी. करने के बाद क्या मिलेगा?' बल्कि सवाल होना चाहिए कि 'हमने बी.एस.सी. और अन्य विषयों के विद्यार्थियों के लिए पर्याप्त अवसर क्यों नहीं बनाए?'

विद्यार्थियों को पारंपरिक विषयों से दूर करने की प्रवृत्ति बढ़ रही है। लेकिन हमें यह समझना होगा कि डेटा अपने आप कोई अर्थ नहीं बताता। एआई हजारों पर्यावरणीय आंकड़ों, सैटेलाइट तस्वीरों, तापमान, वर्षा और जलस्तर के रिकॉर्ड का विश्लेषण कर सकता है। लेकिन यह समझने के लिए कि इन आंकड़ों का वैज्ञानिक अर्थ क्या है, मूलभूत विज्ञान का ज्ञान आवश्यक है।

यदि किसी देश को वैज्ञानिक और तकनीकी रूप से मजबूत बनना है, तो उसे रिसर्च एंड डेवलपमेंट, प्रयोगशालाओं, फील्ड रिसर्च, पर्यावरणीय निगरानी, जलवायु अध्ययन, आपदा प्रबंधन, व्यावहारिक शिक्षा और उद्योग-अकादमिक सहयोग में अधिक निवेश करना होगा। तभी शिक्षा वास्तविक रोजगार में बदल सकेगी।

हर विषय की अपनी भूमिका है

कल्पना कीजिए कि किसी देश में हर विद्यार्थी डेटा साइंटिस्ट बन जाए। तब पौधों का अध्ययन कौन करेगा? जैव विविधता की निगरानी कौन करेगा? मिट्टी और पारिस्थितिकी तंत्र को कौन समझेगा? फील्ड रिसर्च कौन करेगा? पर्यावरण में हो रहे बदलावों का अध्ययन कौन करेगा? बुनियादी विज्ञान कौन पढ़ाएगा? और वह वैज्ञानिक ज्ञान कौन तैयार करेगा, जिससे अंततः डेटा भी पैदा होगा?

किसी देश का विकास केवल एक विषय या एक प्रकार के पेशे पर निर्भर नहीं हो सकता। विकास स्वयं एक बहुविषयक प्रक्रिया है। टेक्नोलॉजी को विज्ञान की आवश्यकता है। एआई को डेटा की आवश्यकता है। डेटा को वैज्ञानिक अवलोकन की आवश्यकता है। अवलोकन के लिए वैज्ञानिक समझ आवश्यक है।

और वैज्ञानिक समझ के लिए मजबूत शिक्षा आवश्यक है।

जलवायु परिवर्तन के दौर में बुनियादी विज्ञान और भी जरूरी

हिमालयी क्षेत्र में ग्लेशियरों की अस्थिरता, बदलते तापमान, वर्षा के स्वरूप और अन्य पर्यावरणीय बदलाव प्राकृतिक आपदाओं के जोखिम को और जटिल बना रहे हैं। नेपाल की हालिया त्रासदी हमें यह याद दिलाती है कि केवल तकनीकी विकास पर्याप्त नहीं है। हमें मॉनिटरिंग, रिसर्च, पूर्व चेतावनी प्रणाली और आपदा-पूर्व तैयारी को भी मजबूत करना होगा। और यहीं शिक्षा की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण हो जाती है।

जब कोई विद्यार्थी Biology, Botany, Geography, Environmental Science, Geology, Chemistry या Physics पढ़ता है, तो वह केवल परीक्षा की तैयारी नहीं कर रहा होता। वह सीख रहा होता है कि प्रकृति कैसे काम करती है। यदि हम चाहते हैं कि आने वाली पीढ़ी जलवायु परिवर्तन, प्रदूषण, जैव विविधता के नुकसान और प्राकृतिक आपदाओं को समझे, तो हमें उन विषयों को छोटा नहीं समझना चाहिए जो प्रकृति को समझने की बुनियाद तैयार करते हैं।

हमें विद्यार्थियों से यह नहीं कहना चाहिए कि 'बी.एससी. में कोई स्कोप नहीं है, डेटा साइंस कर लो।' हमें कहना चाहिए कि 'बुनियादी ज्ञान मजबूत करो, व्यावहारिक कौशल विकसित करो, नई तकनीक सीखो और अपने ज्ञान का उपयोग समाज की वास्तविक समस्याओं को हल करने में करो।'

एक Biology का विद्यार्थी Data Analysis सीख सकता है। एक Botany का विद्यार्थी AI-assisted research में काम कर सकता है। एक Environmental Scientist Remote Sensing और Geospatial Data का उपयोग कर सकता है।

एक Geologist आपदा जोखिम के आकलन में योगदान दे सकता है।

यही भविष्य है—एक विषय को दूसरे का विकल्प बनाने का नहीं, बल्कि विभिन्न विषयों को एक साथ जोड़ने का।

हमें सवाल बदलने की जरूरत है

शायद अब हमें अपने बच्चों से यह पूछना बंद करना चाहिए कि 'किस डिग्री में सबसे ज्यादा स्कोप है?' और पूछना चाहिए कि 'समाज को किस ज्ञान की आवश्यकता है और तुम्हारी शिक्षा उस समस्या को हल करने में कैसे योगदान दे सकती है?' क्यो-कि कोई भी डिग्री अपने आप में बेकार नहीं होती। समस्या है कि पर्याप्त रोजगार का न होना, शोध में कम निवेश, संस्थानों को पर्याप्त संसाधन न मिलना और शिक्षा में व्यावहारिक अवसरों की कमी।

यदि हमें वैज्ञानिक रूप से सक्षम, तकनीकी रूप से मजबूत और जलवायु परिवर्तन के प्रति तैयार समाज बनाना है, तो हमें बुनियादी विज्ञान और हर विषय की उपयोगिता को समझना होगा।

भविष्य किसी एक डिग्री का नहीं है। भविष्य उस ज्ञान का है, जो अलग-अलग विषयों को जोड़कर वास्तविक समस्याओं का समाधान कर सके।

भदोही समाचार

नागा बाबा और उड़िया आश्रम तक पहुंचा गंगा का पानी

भदोही। गंगा के जलस्तर में एक बार फिर तेजी से बढ़ोतरी शुरू हो गई है। केंद्रीय जल आयोग के सीतामढ़ी मीटर गेज पर बुधवार शाम छह बजे जलस्तर 78.110 मीटर दर्ज किया गया, जो इस सीजन का अब तक का सर्वाधिक है। बाढ़ का पानी इटहरा के पश्चिम वाहिनी गंगा तट स्थित नागा बाबा आश्रम के समीप पहुंच गया है। वहीं, सीतामढ़ी स्थित उड़िया बाबा आश्रम की नींव तक पानी पहुंच गया है। जलस्तर बढ़ने से तटवर्ती और कटान प्रभावित गांवों के लोगों की चिंता बढ़ गई है। जिले में गंगा के जलस्तर में पिछले कई दिनों से उतार-चढ़ाव जारी है। मंगलवार को पहले जलस्तर स्थिर रहा और बाद में करीब 20 सेंटीमीटर की कमी दर्ज की गई थी। प्रदेशभर में हो रही भारी बारिश का पानी गंगा में पहुंचने के बाद बुधवार सुबह से जलस्तर तेजी से बढ़ने लगा। करीब चार से पांच सेंटीमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से बढ़ोतरी होने के कारण जलस्तर 78 मीटर के पार पहुंच गया है। इटहरा, छेछुआ और भुर्रा समेत अन्य कटान प्रभावित गांवों के किसानों को अब गंगा कटान की चिंता सताने लगी है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि जलस्तर बढ़ने का सिलसिला इसी तरह जारी रहा तो अगले एक-दो दिनों में कोनिया क्षेत्र के इन गांवों में कटान शुरू हो सकता है। बाढ़ और कटान की आशंका को देखते हुए ग्रामीण नदी के जलस्तर पर लगातार नजर बनाए हुए हैं। जिले में गंगा का जलस्तर भले ही अभी चेतावनी बिंदु से करीब दो मीटर नीचे है, लेकिन इटहरा, छेछुआ और भुर्रा अति संवेदनशील क्षेत्र हैं।

देवरिया समाचार

सऊदी अरब में सलेमपुर के युवक की मौत

सलेमपुर। कोतवाली क्षेत्र के नवलपुर चौकी अंतर्गत मालीपुर गांव निवासी बब्बन चौहान (45) की सऊदी अरब में मौत हो गई। बुधवार की सुबह मौत की सूचना मिलते ही परिवार में चीख-पुकार मच गई।

परिजन के अनुसार, बब्बन चौहान नौ साल से सऊदी अरब में रहकर एक कंपनी में नौकरी करते थे। बीच-बीच में घर आते रहते थे। सुबह उनके बड़े भाई चंद्रदेव चौहान को बब्बन की मौत की सूचना मिली।

उन्होंने तत्काल परिवार के अन्य सदस्यों को इसकी जानकारी दी। मौत की खबर सुनते ही पत्नी कविता देवी सहित परिवार के लोगों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। बब्बन चौहान के परिवार में पत्नी कविता देवी, दो पुत्र अजय और आशीष तथा एक पुत्री दिव्या हैं।

मीरजापुर समाचार

लोक अदालत, मामलों के त्वरित निस्तारण पर जोर

मीरजापुर। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से 12 सितंबर को राष्ट्रीय लोक अदालत मिर्जापुर दीवानी न्यायालय परिसर में लगेगी। तैयारियों के लिए बुधवार को जनपद न्यायाधीश अनुपम कुमार ने पत्रकारों से बातचीत की। बताया कि लोक अदालत में अधिक से अधिक मामलों का आपसी सुलह-समझौते के आधार पर निस्तारण कराने का प्रयास किया जाएगा। राष्ट्रीय लोक अदालत में न्यायालयों में लंबित विभिन्न प्रकृति के मामलों के साथ ही बैंक ऋण, विद्युत, दूरसंचार, मोटर दुर्घटना प्रतिकर, पारिवारिक विवाद, वैवाहिक मामले, श्रम विवाद, चेक बाउंस और राजस्व से संबंधित मामलों का भी नियमानुसार निस्तारण कराया जा सकता है। लोक अदालत में दोनों पक्षों की सहमति से विवाद का समाधान होने पर समय और धन दोनों की बचत होती है। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से लोक अदालत के प्रचार-प्रसार के साथ ही लंबित मामलों को चिह्नित किया जा रहा है। संबंधित न्यायालयों और विभागों को भी अधिक से अधिक मामलों के निस्तारण के लिए निर्देशित किया है। जनपद न्यायाधीश ने लोगों से अपील की कि वे लोक अदालत का लाभ उठाकर आपसी सहमति से विवादों का त्वरित समाधान कराएं। लोक अदालत में निस्तारित मामलों में दोनों पक्षों के बीच विवाद समाप्त करने का अवसर मिलता है।

मौत की सूचना पर पहुंची पुलिस, नदी से बाहर निकाला तो जिंदा था

राजगढ़। राजगढ़-नदिहार ग्राम के बीच निकली बकहर नदी में मृत व्यक्ति के मिलने की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची तो बिहार निवासी अशोक कुमार जिंदा मिला। इससे पुलिस ने राहत की सांस ली।

बलिया समाचार

मऊ से लौटते समय ट्रेन से गिरकर युवक की मौत

बलिया। वाराणसी-भटनी रेलमार्ग पर मंगलवार देर शाम एक युवक की ट्रेन से गिरकर मौत हो गई।

उसकी पहचान बुधवार शाम पचमा गांव निवासी सुरेंद्र मुसहर (35) के रूप में हुई। सुरेंद्र अपनी पत्नी के बच्चे को देखने मऊ गया था। वह मंगलवार देर शाम वाराणसी-भटनी डाउन पैसेंजर ट्रेन से घर लौट रहा था।

इसी दौरान उधरन ढाले के पास वह ट्रेन से गिर गया। हादसे में उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

राहगीरों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची थी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय भेजा। थानाध्यक्ष रंजीत विश्वकर्मा ने बताया कि परिजनों को सूचना दे दी गई है। पुलिस विधिक कार्रवाई कर रही है।

चंदौली समाचार

पुल से पांच फीट ऊपर बह रहा पानी, चकिया-अहरौरा मार्ग ठप

शिकारगंज। भारी बारिश और अहरौरा बांध से पानी छोड़े जाने के कारण बुधवार को सुबह गरई नदी पर उफान आ गयाई। चकिया-अहरौरा मार्ग पर अमरा दक्षिणी गांव के पास स्थित जर्जर पुल के ऊपर करीब पांच फीट पानी बहने से आवागमन ठप हो गया। इससे मिर्जापुर, सोनभद्र और वाराणसी समेत अन्य क्षेत्रों में आने-जाने वाले लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

अहरौरा बांध के फाटक खोलने से गरई नदी में बहाव तेज हो गया है। जर्जर पुल के ऊपर पानी पहुंचने से यातायात ठप हो गया। इससे आसपास के गांवों के बीच संपर्क टूट गया है। ग्रामीणों का कहना है कि गरई नदी पर करीब 10 साल से नया पुल निर्माणाधीन है, लेकिन अब तक पूरा नहीं हो सका है। वहीं, विधायक कैलाश आचार्य ने बताया कि निर्माणाधीन पुल का काम पूरा कराने के लिए शासन से मंजूरी मिल चुकी है। पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों से बात कर जल्द से जल्द निर्माण कार्य पूरा कराने का प्रयास किया जाएगा। कंदवा क्षेत्र में लगातार बारिश और बांधों का पानी छोड़े जाने से कर्मनाशा नदी में नदी में उफान आ गया है। इससे तटवर्ती गांवों और सिवान में बाढ़ का पानी घुस गया है। साथ ही कई सड़कों पर चार फीट ऊपर पानी बह रहा है।

आजमगढ़ समाचार

सरकारी जमीन का भुगतान हुआ तो अफसर होंगे जिम्मेदार : मंडलायुक्त

आजमगढ़। मुख्यमंत्री शहरी विस्तारीकरण एवं नए शहर प्रोत्साहन योजना के तहत प्रस्तावित 'तमसा गार्डेन एन्क्लेव' के लिए कोटिला में जमीन खरीद को लेकर मंडलायुक्त विवेक ने अधिकारियों को चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि भूमि क्रय में सरकारी जमीन का भुगतान किसी भी व्यक्ति को नहीं होना चाहिए। यदि सरकारी जमीन के एवज में भुगतान हुआ तो इसकी जिम्मेदारी संबंधित अधिकारियों की तय होगी।

मंडलायुक्त ने इस मामले में एसडीएम की जिम्मेदारी तय करने के साथ ही एसडीएम और तहसीलदार से प्रमाणपत्र लेने के निर्देश दिए। बुधवार को मंडलायुक्त कार्यालय सभागार में आजमगढ़ विकास प्राधिकरण की 24वीं बोर्ड बैठक हुई।

सोनभद्र समाचार

सांप के काटने से महिला की मौत:झाड़-फूंक में चली गई जान

सोनभद्र। बुधवार रात सांप के काटने से एक महिला की मौत हो गई। अनिता देवी (31) पत्नी अशोक गोंड अपने तीन बच्चों के साथ कच्चे मकान में चारपाई पर सो रही थीं। सांप के काटने के बाद परिजन उन्हें तत्काल अस्पताल ले जाने के बजाय झाड़-फूंक कराने के लिए ओझा के पास ले गए। काफी देर बाद हालत बिगड़ने पर उन्हें अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। मामला चोपन थाना क्षेत्र के पनारी ग्राम पंचायत के टोला पंचम खाड़ी का है।

जानकारी के अनुसार, अनिता देवी रात में परिवार के साथ खाना खाने के बाद बच्चों को दूध पिलाकर चारपाई पर सो गई थीं। रात करीब 12 बजे जहरीले सांप ने उनके सीने पर काट लिया। दर्द होने पर वह चीखने लगीं, जिससे घर के अन्य सदस्य जाग गए।

सांप के काटने के बाद परिजन अनिता को तुरंत अस्पताल ले जाने के बजाय झाड़-फूंक के लिए ओझा के पास लेकर पहुंचे। काफी देर तक झाड़-फूंक चलती रही, लेकिन उनकी हालत में कोई सुधार नहीं हुआ। उनकी स्थिति लगातार बिगड़ती गई। इसके बाद परिजन उन्हें चोपन अस्पताल लेकर पहुंचे। वहां चिकित्सकों ने जांच के बाद अनिता को मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

मृतका के जेठ रमेश कुमार ने बताया कि सांप ने पहले अनिता का दूध पिया और इसके बाद उन्हें काट लिया। सांप के काटने से तेज दर्द हुआ, जिससे उनकी नींद खुल गई और उन्होंने परिजनों को घटना की जानकारी दी। विशेषज्ञों के अनुसार, सांप के काटने की स्थिति में झाड़-फूंक में समय गंवाने के बजाय पीड़ित को तत्काल नजदीकी अस्पताल पहुंचाना चाहिए।

मऊ समाचार

स्वाइन फ्लू को लेकर स्वास्थ्य विभाग अलर्ट, पैनिक न होने की अपील

मऊ। स्वाइन फ्लू को लेकर मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. पंकज की अध्यक्षता में बुधवार को बैठक हुई। इसमें स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। सीएमओ ने लोगों से स्वाइन फ्लू को लेकर घबराने के बजाय विभाग की ओर से जारी एडवाइजरी का पालन करने और बचाव के उपाय अपनाने की अपील की। सीएमओ ने कहा कि सार्वजनिक और भीड़भाड़ वाले स्थानों पर मास्क का इस्तेमाल करें। खांसने या छींकने वाले व्यक्ति से उचित दूरी बनाए रखें। खुद खांसते या छींकते समय रूमाल अथवा कपड़े का इस्तेमाल करें। समय-समय पर साबुन और पानी से हाथ साफ करते रहें। उन्होंने लोगों को बिना चिकित्सकीय सलाह के एंटीबायोटिक या एंटीवायरल दवाएं न लेने की सलाह दी।

गाजीपुर समाचार

इलाज में लापरवाही से मौत का लगाया आरोप, अस्पताल संचालक को पीटा

जखनिया। भुड़कुड़ा कोतवाली क्षेत्र के रामबन स्थित धनरावती हॉस्पिटल में पित्त की थैली में पथरी के ऑपरेशन के दौरान नस कटने से अत्यधिक रक्तस्राव से राकेश यादव (26) की बुधवार को मौत होने का आरोप लगाया गया। परिजनों ने अस्पताल पर लापरवाही का आरोप लगाया। नाराज ग्रामीणों ने अस्पताल संचालक की पिटाई कर दी। आक्रोशित ग्रामीणों और परिजनों ने बारिश के बीच भुड़कुड़ा-जखनिया मार्ग पर सुबह 8.30 बजे शव रखकर जाम लगा दिया। अस्पताल को सील करने की मांग की। जखनिया एसडीएम और भुड़कुड़ा सीओ ने समझा-बुझाकर मामला शांत कराया। इसके बाद दोपहर 2.30 बजे जाम समाप्त हुआ। राकेश के बड़े भाई राजेश यादव ने अस्पताल संचालक डॉ. नंदलाल सहित तीन के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई है। कोतवाल धर्मेंद्र पांडेय ने बताया कि बृंदावन गांव निवासी राजेश यादव ने तहरीर देकर जानकारी दी कि तबीयत खराब होने पर 30 अगस्त को रामबन स्थित धनरावती हॉस्पिटल में छोटे भाई राकेश यादव को भर्ती कराया गया। जहां पित्त की थैली में पथरी होने पर बिना डिग्री वाले बहादुर, डॉ. संतोष ने डॉ. नंदलाल के साथ सर्जरी की। इस दौरान बगैर जानकारी के नस काट दी। इससे अत्यधिक रक्तस्राव होने लगा। बताया कि 31 अगस्त को हालत गंभीर हो गई।

जौनपुर समाचार

शराब पीने के बाद विवाद में युवक की हत्या

मुंगराबादशाहपुर। पुलिस ने एक युवक की हत्या के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार दोनों आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपियों की पहचान प्रयागराज के सरायममरेज थानाक्षेत्र के सोरो गांव निवासी पंडित बनवासी के पुत्र बबलू और अनिल बनवासी पुत्र प्रभु बनवासी के रूप में हुई है। दोनों को बुधवार को प्रयागराज-जौनपुर मार्ग से तरहटी की ओर जाने वाले मुख्य मार्ग के पास से गिरफ्तार किया गया। पुलिस की पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि 30 अगस्त को वे गारियांव बाजार स्थित शराब की दुकान पर गए थे। वहां शराब पीने के बाद लौटते समय लालजी धोकार के साथ किसी बात को लेकर उनका विवाद हो गया। आरोप लगाया कि लालजी ने दोनों के साथ गाली-गलौज की।

सुल्तानपुर समाचार

मालगाड़ी की चपेट में आने से मजदूर की मौत

कूरेभार। अयोध्या-प्रयागराज रेलखंड पर गोसाईगंज के कोहड़ा गांव के पास बुधवार शाम चार बजे मालगाड़ी की चपेट में आने से बिहार के कटिहार जिले के बड़ी भीतरा निवासी मजदूर कुंदन कुमार ऋषि (25) की मौत हो गई। वह ठेकेदार के साथ रेल ट्रैक पर काम करने आए थे।

मजदूर बलराम ने बताया कि कुंदन उनके ममेरे भाई थे। बुधवार को काम पूरा करने के बाद सभी मजदूर कूरेभार स्टेशन की तरफ लौट रहे थे। तभी कुंदन ने अपने साथियों से कुछ देर बाद आने की बात कही और अकेले आगे निकल गए।

कुछ समय बाद कुंदन के मालगाड़ी की चपेट में आने की जानकारी मिली। उसे आनन फानन में घायल अवस्था में उन्हें कूरेभार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया। जहां चिकित्सक डॉ. जसवंत आजाद ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

मालगाड़ी सुल्तानपुर से बलरामपुर जा रही थी। गोसाईगंज थाने की पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। गोसाईगंज थाने के प्रभारी निरीक्षक अखंड देव मिश्र ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि संस्था गणेशगंज रामलीला समिति गणेशगंज, सदर, मीरजापुर के नवीनीकरण वर्ष 2025-26 के लिए अधोलिखित पदाधिकारी एवं कार्यकारिणी सदस्य है। राकेश कुमार जायसवाल- अध्यक्ष, अलंकार- वरि0 उपाध्यक्ष, शिवशंकर- संरक्षक, अश्वनी, रवि जायसवाल, मनोज, श्री राम साहू- उपाध्यक्ष, कैलाश नाथ- कोषाध्यक्ष, प्रीतम-महामंत्री, शोभित, रवि-मंत्री, अभिनव, शिवम, उमाशंकर- संगठन मंत्री, पुरसोत्तम- सूचना मंत्री, शशांक, विनय- विद्युत मंत्री, अवधेश- श्रृंगरिया, मुक्तिनाथ- मिडिया प्रभारी, अमित एड0- विधि सलाहकार, अशोक कुमार- आय-व्यय निरीक्षक तथा पदाधिकारी कार्यकारिणी सदस्य जो वर्तमान कमेटी में नहीं हैं, उनका नाम निम्नलिखित है- मोहन लाला- संरक्षक, मिश्री लाल- संरक्षक, कैलाशनाथ- अध्यक्ष, गोविन्द- वरि0 उपाध्यक्ष, प्रदीप- क0 उपा0, नरेश- महामंत्री, रामलखन- मंत्री, सत्यनारायण- कोषाध्यक्ष, गंगाधर- संगठन मंत्री, कृष्ण चन्द्र जायसवाल, शिव प्रसाद- सूचना मंत्री, मिश्री लाल, गोविन्द, प्रदीप, नरेश, गंगाधर, कृष्ण चन्द्र, शिव प्रसाद, शम्भू, रविन्द्र, मनोज, अमित, सरजीत- साधारण सभा के सदस्य नहीं है। उक्त पदाधिकारी व सदस्य वर्तमान कमेटी में नहीं है, यदि आपको कोई आपत्ति/अनापत्ति है तो प्रकाशन दिनांक से 15 दिनों के अन्दर अपनी आपत्ति मय साक्ष्य सहित अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय सहायक निबन्धक फर्म्स सोसाइटी एवं चिट्स हुकुलगंज, वाराणसी के यहाँ पत्रावली संख्या V-49897 लिखते हुए उपस्थित हों। विलम्ब की स्थिति में कार्यालय अथवा संस्था उत्तरदायी नहीं होगी।

आशुतोष त्रिपाठी
सहायक निबन्धक
फर्म्स सोसाइटीज एवं चिट्स वाराणसी।

दिनांक-01-09-2026

शिव प्रताप सिंह विद्यालय समिति
पवारीकलां, मीरजापुर

पत्रांक- मेमो0 दिनांक- 1-9-2026

विज्ञप्ति

शिव प्रताप सिंह विद्यालय समिति पवारीकलां, मीरजापुर की साधारण सभा के आजीवन सदस्यों को सूचित किया जाता है कि मा0 उच्च न्यायालय में योजित याचिका सं0-21812/2026 में पारित आदेश दिनांक 29.05.2026 के अनुपालन हेतु प्रबन्ध समिति की बैठक दिनांक 23.08.2026 में लिये गये निर्णय के क्रम में साधारण सभा की एक अति आवश्यक बैठक सुरक्षा की दृष्टि से श्री गाँधी विद्यालय इण्टर कालेज, कछवां, मीरजापुर में दिनांक 06.09.2026 दिन रविवार को मध्यान्ह 12.00 बजे से साधारण सभा के सभापति श्री रविन्द्रनाथ तिवारी की अध्यक्षता में प्रारम्भ होगी, आपकी उपस्थिति अनिवार्य है। विचारणीय विषय-

1- साधारण सभा की पिछली बैठक के वाचन एवं इसकी पुष्टि पर विचार।
2- प्रबन्धक पर लगे आरोप के क्रम में पदच्युत किये जाने पर विचार।
3- प्रबन्ध समिति के उपाध्यक्ष एवं प्रबन्धक की सदस्यता समाप्त किये जाने पर विचार।
4- अन्य प्रस्ताव अध्यक्ष की अनुमति से।

भवदीय
रविन्द्र नाथ तिवारी
अध्यक्ष
शिव प्रताप सिंह विद्यालय समिति, पवारीकलां, मीरजापुर।

गोरखपुर समाचार

देवीघाट में स्कूल गए दो बच्चे लौटे, मां बोली- सब मिल गया, भूल गई घर उजड़ने का दर्द

गोरखपुर। चारों तरफ मची तबाही और सबकुछ खो देने के गम के बीच मंगलवार को एक घर से आ रही रोने की आवाज में एक उम्मीद थी..., घर के लोगों की आंखों से बह रहे आंसुओं में खुशी छिपी थी। ये आवाज और ये आंसू मां और बच्चों के सुखद मिलन की गवाही दे रहे थे। जलप्रलय में लापता हुए दो मासूमों को सेना के जवान लेकर आएं हैं। घर उजड़ने का गम मां भूल गई कहा कि बच्चे मिल गए तो सब मिल गया। देवीघाट निवासी अनीता ने आपबीती सुनाते हुए कहा कि जिस दिन जलप्रलय आया दोनों बच्चे नदी के दूसरी ओर स्थित स्कूल गए थे। पुल बह गया। बिजली भी गुल हो गई जिससे गांव से संपर्क पूरी तरह टूट गया। बच्चे लौटे नहीं और हम उन्हें तलाश करने नहीं जा सके। आज सेना के जवान उन्हें लेकर आए है। अनीता बोलीं, घर चला गया तो फिर बना लेंगे लेकिन बच्चे सुरक्षित लौट आए, यही सबसे बड़ी बात है। बहन सपना ने बताया कि भाई को राखी भी बांध नहीं पाई। कुछ पता नहीं चल रहा था लेकिन सेना से पता चला कि वे बच्चों को लेकर आ रहे हैं।

यह सूचना मेरे जीवन के लिए हमेशा यादगार रहेगी...यह कहते ही उनकी आंखें नम हो गईं।

प्रयागराज समाचार

बाढ़ का कहर, सड़क पर हो रहा अंतिम-संस्कार

प्रयागराज। में गंगा और यमुना के बढ़ते जलस्तर ने संगम क्षेत्र की स्थिति को और गंभीर कर दिया है। संगम क्षेत्र के सभी प्रमुख घाट पानी में डूब गए हैं। दारागंज घाट के जलमग्न होने के बाद अंतिम संस्कार के लिए आने वाले लोगों के सामने बड़ी मुश्किल खड़ी हो गई है। घाट पर जगह नहीं मिलने के कारण अब लोगों को सड़क पर मजबूरी में अंतिम संस्कार करना पड़ रहा है। दारागंज घाट पर सामान्य दिनों में प्रयागराज के साथ-साथ आसपास के जिलों और मध्य प्रदेश समेत दूसरे इलाकों से भी लोग अंतिम संस्कार के लिए पहुंचते हैं। लेकिन बाढ़ के कारण घाट पूरी तरह जलमग्न होने से अंतिम संस्कार के लिए पर्याप्त जगह नहीं बची है। ऐसे में शव लेकर पहुंचे परिवारों को अपनी बारी के लिए घंटों इंतजार करना पड़ रहा है। घाट पर पानी भर जाने के बाद लोग दारागंज से संगम जाने वाले मुख्य मार्ग और सड़क के किनारे अंतिम संस्कार करने को मजबूर हैं। सड़क किनारे एक के बाद एक चिताएं जलती दिखाई दे रही है। वहीं, अत्यधिक भीड़ के कारण एक अंतिम संस्कार पूरा होने के बाद दूसरे परिवार को जगह मिलने में काफी समय लग रहा है। लोगों का कहना है कि बाढ़ के दौरान अंतिम संस्कार के लिए वैकल्पिक स्थान और पर्याप्त व्यवस्था नहीं होने के कारण उन्हें इस तरह की परेशानी झेलनी पड़ रही है। बाहर से शव लेकर आने वाले परिवारों की मुश्किल और ज्यादा बढ़ गई है। बाढ़ का पानी घाट तक पहुंचने के साथ अंतिम संस्कार में इस्तेमाल होने वाली लकड़ियों को लेकर भी परेशानी बढ़ गई है। लोगों का कहना है कि पानी भरने के कारण लकड़ियां भीग गई हैं, जिससे अंतिम संस्कार करने में दिक्कत हो रही है। कुछ लोगों ने आरोप लगाया कि व्यवस्था की कमी का फायदा उठाकर कुछ लोग जरूरतमंद परिवारों से मनमाना पैसा वसूल रहे हैं। बाहर से आने वाले लोगों को सबसे ज्यादा परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

लाइफ मंत्र

4 सितंबर को मनाई जाएगी श्रीकृष्ण जन्माष्टमी, 15 साल बाद रोहणी नक्षत्र में मनेगा श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, जन्माष्टमी का पर्व उस समय मनाना विशेष शुभ माना जाता है, जब चंद्रमा रोहिणी नक्षत्र में स्थित हो। इस साल रोहिणी नक्षत्र की शुरुआत 3 सितंबर की रात 11:30 बजे होगी और यह 4 सितंबर की रात 12:14 बजे तक रहेगा। पंचांग की गणना के आधार पर कृष्ण जन्माष्टमी 4 सितंबर 2026 को मनाई जाएगी।

हिंदू धर्म में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का बहुत ही महत्वपूर्ण स्थान है। इस दिन लोग व्रत रखकर और बिना व्रत के भी बड़े उल्लास के साथ भगवान श्री कृष्ण का जन्मोत्सव मनाते हैं। इस बार 15 साल बाद जन्माष्टमी पर ऐसा विशेष संयोग बन रहा है, जिसमें भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव अष्टमी तिथि और रोहिणी नक्षत्र में मनाया जाएगा। द्वापर युग में भगवान श्रीकृष्ण का जन्म भी मध्यरात्रि में अष्टमी तिथि और रोहिणी नक्षत्र में हुआ था। इस बार जन्माष्टमी पर भी इसी तरह का संयोग बन रहा है। श्रीमद्भागवत पुराण के अनुसार भगवान श्रीकृष्ण का जन्म भाद्र कृष्ण अष्टमी तिथि, बुधवार, रोहिणी नक्षत्र एवं वृष राशि में मध्य रात्रि में हुआ था। बताया कि इस बार वर्ष 2026 में यह तिथि 3 सितंबर रात्रि 12:26 बजे शुरू होकर 4 सितंबर रात्रि 12:14 मिनट तक रहेगी। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, जन्माष्टमी का पर्व उस समय मनाना विशेष शुभ माना जाता है, जब चंद्रमा रोहिणी नक्षत्र में स्थित हो। इस साल रोहिणी नक्षत्र की शुरुआत 3 सितंबर की रात 11:30 बजे होगी और यह 4 सितंबर की रात 12:14 बजे तक रहेगा। पंचांग की गणना के आधार पर कृष्ण जन्माष्टमी 4 सितंबर 2026 को मनाई जाएगी। हर वर्ष भाद्रपद माह के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को रोहिणी नक्षत्र में कृष्ण जन्माष्टमी मनाई जाती है। यह दिन श्रीकृष्ण को समर्पित होता है। जन्माष्टमी के इस अवसर पर भगवान श्रीकृष्ण की पूजा-उपासना की जाती है। मान्यता है कि भगवान कृष्ण के शरणागत रहने वाले जातकों को मृत्यु लोक में स्वर्ग समान सुखों की प्राप्ति होती है।

'अर्द्धरात्रे तु रोहिण्यां यदा कृष्णाष्टमी भवेत्। तस्यामभ्यर्चनं शौरिहन्ति पापों त्रिजन्मजम्।' अर्थात अष्टमी तिथि, जन्म समय पर रोहिणी नक्षत्र और हर्षण योग में भगवान श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का व्रत एवं जन्मोत्सव मनाने वाले श्रद्धालुओं के तीन जन्म के पाप समूल नष्ट हो जाते हैं और ऐसा योग शत्रुओं का दमन करने वाला है। निर्णय सिंधु में भी एक श्लोक आता है-'त्रेतायां द्वापरे चैव राजन् कृतयुगे तथा। रोहिणी सहितं चेयं विद्वद्भिः समुपपोषिता।।' अर्थात हे राजन्, त्रेता युग, द्वापर युग, सतयुग में रोहिणी नक्षत्र युक्त अष्टमी तिथि में ही विद्वानों ने श्री कृष्ण जन्माष्टमी का उपवास किया था इसीलिए कलयुग में भी इसी प्रकार उत्तम योग माना जाए। ऐसा योग विद्वानों और श्रद्धालुओं को अच्छी प्रकार से पोषित करने वाला योग होता है।

शुभ मुहूर्त

इस बार जन्माष्टमी पर अबकी बार जन्मांतर के पापों का क्षय करने वाला जयंती योग बना है।

अष्टमी तिथि का आरंभः 3 सितंबर, रात्रि 12:26 मिनट पर

अष्टमी तिथि का समापनः 4 सितंबर, रात्रि 12:14 मिनट पर

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, जन्माष्टमी का पर्व उस समय मनाना विशेष शुभ माना जाता है, जब चंद्रमा रोहिणी नक्षत्र में स्थित हो। इस साल रोहिणी नक्षत्र की शुरुआत 3 सितंबर की रात 11:30 बजे होगी और यह 4 सितंबर की रात 12:14 बजे तक रहेगा। पंचांग की गणना के आधार पर कृष्ण जन्माष्टमी 4 सितंबर 2026 को मनाई जाएगी।

मध्यरात्रि में रोहिणी नक्षत्र का संयोग

जन्माष्टमी की अर्धरात्रि में अष्टमी तिथि और रोहिणी नक्षत्र का एक साथ होना विशेष फलदायी माना जाता है। कई वर्षों में भाद्रपद कृष्ण पक्ष की अष्टमी पर वृष राशि में चंद्रमा तो रहता है, लेकिन रोहिणी नक्षत्र का संयोग नहीं बन पाता। इस बार सभी प्रमुख ज्योतिषीय तत्व एक साथ आ रहे हैं। धार्मिक मान्यताओं में भी ऐसे संयोग में भगवान श्रीकृष्ण की पूजा का विशेष महत्व बताया गया है।

जन्माष्टमी का भोग

भगवान लड्डू गोपाल को माखन मिश्री का भोग बहुत पसंद है। इस वजह से जन्माष्टमी वाले दिन बाल श्रीकृष्ण को माखन-मिश्री का भोग लगाएं। इसके अलावा आप केसर वाला घेवर, पेड़ा, मखने की खीर, रबड़ी, मोहनभोग, रसगुल्ला, लड्डू आदि का भोग लगा सकते हैं।

करें पूजा

जन्माष्टमी व्रत में अष्टमी के उपवास से पूजन और नवमी के पारण व्रत की पूर्ति होती है। इस व्रत के एक दिन पहले यानी सप्तमी के दिन हल्का और सात्विक भोजन ही करना चाहिए। व्रत वाले दिन प्रातः स्नान आदि से निवृत होकर सभी देवताओं को नमस्कार करें।

जवाब जिनका नहीं (व्यंग्य)

ऐसी खबर का जलवा कई दिन तक बरकरार रहता है जिसमें सामाजिक स्तर पर प्रसिद्ध, बहुत ज्यादा पहुंच वाला, खूब प्रभाव पैदा कर सकने वाला व्यक्ति किसी भी मुश्किल सवाल का जवाब संयम और मुस्कुराते हुए देता रहे। इससे देश के काफी बड़े हिस्से की तबीयत ठीक रहती है। वैसी खबर का जलवा एक दम बिखरा सा रहता है जब उसी तरह का व्यक्ति एक ही साक्षात्कार में कई सवालों के जवाब न दे पाए। समाचार

ऐसा होना स्वाभाविक है जब परीक्षा से पहले सम्बंधित विषय की भरपूर तैयारी न की जाए। अपने गुरुओं और वरिष्ठ जनों की बातों को ठीक से सुना और समझा न हो। कक्षा या ज़िंदगी की कक्षा में बैठे हों लेकिन ध्यान कहीं और हो और नोट्स न लिए हों। अभ्यास करने के दौरान संजीदगी न बनाए रखो तो उचित समय पर सवालों के जवाब भूल ही जाते हैं, जिसे जवाब देते नहीं बना भी कहते हैं।

इस दौरान यह कह देना ज़रूरी होता है कि जिस सम्बन्ध में सवाल पूछे जा रहे हैं उसमें उनकी कोई भूमिका नहीं है। साथ साथ यह भी कह देना चाहिए कि जो लोग गलत करते हैं उन्हें ऐसा नहीं करना चाहिए। उनसे ऐसा करने की उम्मीद नहीं थी। अच्छी राजनीतिक जलवायु हो तो यह एक उम्दा जवाब माना जाता है और समाज में प्रसिद्ध भी है।

इम्तिहान से पहले व्यक्ति सोचता है कि मुझे सब कुछ पता है, सब याद है, मुझसे ज्यादा चतुर कोई नहीं। कोई कैसा, ऐसा या वैसा सवाल आएगा तो हल कर लूंगा। कई बार ऐसा हो जाता है कि परीक्षा की घड़ी बिना बताए मुख्य दरवाज़े पर आन खड़ी होती है। सुना है, तब याद किया सब कुछ भूल जाता है। कई सवाल सामने बैठ जाते हैं, एक दो सवाल को तो खड़े रहना पड़ता है इसलिए वे नाराज़ भी हो जाते हैं। जब जवाब सूझता नहीं तो बंदा सोचता है कि मुझे जवाब देने की तैयारी निरंतर रखनी चाहिए थी। अभ्यास करते रहना चाहिए था। दूसरे अनुभवी लोगों से पूछ लेना चाहिए था। परीक्षा में तो कुछ भी प्रत्याशित या अप्रत्याशित पूछा जा सकता है इसलिए यह पता होना चाहिए कि अगर सवाल का रंग लाल या नीला हो तो जवाब कौन से रंग का देना है। कई सवाल ऐसे होते हैं कि पोल खोल दें जिससे तबीयत अविलंब खराब हो जाती है। अस्पताल का सहारा लेना पड़ता है। सवाल घबराहट का माहौल बन देते हैं। इस दौरान यह कह देना ज़रूरी होता है कि जिस सम्बन्ध में सवाल पूछे जा रहे हैं उसमें उनकी कोई भूमिका नहीं है। साथ साथ यह भी कह देना चाहिए कि जो लोग गलत करते हैं उन्हें ऐसा नहीं करना चाहिए। उनसे ऐसा करने की उम्मीद नहीं थी। अच्छी राजनीतिक जलवायु हो तो यह एक उम्दा जवाब माना जाता है और समाज में प्रसिद्ध भी है। यह हमारे सामाजिक जीवन का आधार कार्ड भी है। असल में सवाल तो वही असली सवाल माने जाते हैं जिनका जवाब न दिया जा सके। बड़ों बड़ों की बोलती बंद कर दें। सवाल ऐसे होते हैं तो जवाब भी ऐसे होते हैं या हो सकते हैं जो बड़ी से बड़ी बोलती बंद कर दें।

सवालों ने अपने बीच से हमेशा कई ऐसे सवाल खड़े किए जिन्हें कोई जवाब बिठा न सका। कितने सवाल अपने जवाब ढूंढते रहे अभी भी ढूंढ रहे होंगे। पुलिस की मदद ली, सुप्रसिद्ध समझदारों, सिद्धहस्त महात्माओं और जाने माने ज्योतिशिओं की सलाह ली लेकिन न असली जवाब मिले न नकली। आखिर में यही मानना पडेगा कि जवाब जिनका नहीं, वो सवाल होते हैं असली सवाल।

ग्लैमरस छवि के पीछे छिपा था गहरा Struggle, आज भी Mystery है एक्ट्रेस की मौत

05 अगस्त को हॉलीवुड एक्ट्रेस मर्लिन मुनरो का निधन हुआ था। वह 20वीं सदी की सबसे फेमस अमेरिकी एक्ट्रेस, मॉडल और सिंगर थीं। वह अपने चमकदार और ग्लैमरस छवि के लिए जानी जाती थीं। हॉलीवुड की सबसे फेमस एक्ट्रेस मर्लिन मुनरो का 05 अगस्त को निधन हो गया था। जब भी मर्लिन का जिक्र किया जाता है, तो आंखों के सामने एक्ट्रेस की उड़ती सफेद ड्रेस वाली तस्वीर आती है। वह 20वीं सदी की सबसे फेमस अमेरिकी एक्ट्रेस, मॉडल और सिंगर थीं। अपनी चमकदार और ग्लैमरस छवि के पीछे मर्लिन एक ऐसी महिला थीं, जो लगातार लोगों की नजरों में बने रहने और आलोचनाओं के बीच अपनी पहचान बनाने के लिए संघर्ष कर रही थीं। तो आइए जानते हैं उनकी डेथ एनिवर्सरी के मौके पर एक्ट्रेस मर्लिन मुनरो के जीवन से जुड़ी कुछ रोचक बातों के बारे में...

जन्म और परिवार

मर्लिन मुनरो का जन्म 01 जून 1926 को हुआ था। उनका असली नाम नॉर्मा जीन मॉर्टेनसन था। मर्लिन का बचपन अस्थिरता, संघर्षों और पालन-पोषण केंद्र में बीता। मर्लिन ने कम उम्र में ही यह महसूस कर लिया था कि महिलाओं को उनके व्यक्तित्व से ज्यादा बाहरी छवि के आधार पर जज किया जाता है।

मॉडलिंग का सफर

मर्लिन ने अपना करियर मॉडलिंग से शुरू किया था। वहीं जल्द ही वह हॉलीवुड की एक ग्लैमरस और मोहक एक्ट्रेस की इमेज में ढल गईं। कई फिल्मों ने एक्ट्रेस को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाई थी। वह जल्द ही हॉलीवुड की सबसे बड़ी सितारों की लिस्ट में शामिल हो गईं। हालांकि एक्ट्रेस की सफलता के साथ उनके लिए एक चुनौती भी थी कि मर्लिन को अक्सर एक ही तरह की भूमिकाएं दी जाने लगीं। जिस कारण उनकी अभिनय क्षमता का पूरा प्रदर्शन नहीं हो सका।

संवेदनशील महिला

पर्दे पर ग्लैमरस और चुलबुली दिखने वाली मर्लिन मुनरो बेहद संवेदनशील और बौद्धिक सोच रखने वाली महिला थीं। वह अभिनय की गंभीरता से सीखना चाहती थीं। इसके अलावा उनको राजनीति, साहित्य, मनोविज्ञान और कला जैसे विषयों में गहरी रुचि थी। साल 1954 में एक्ट्रेस ने अपना खुद का प्रोडक्शन हाउस शुरू किया। उस समय में यह एक साहसिक कदम था। क्योंकि उस दौर में फिल्म स्टूडियो कलाकारों के करियर और फैसलों पर अपना कंट्रोल रखते थे। एक्ट्रेस ने उचित वेतन, बेहतर रोल और रचनात्मक स्वतंत्रता की मांग की। ऐसे में कई बार मर्लिन ने ऐसे रोल करने से इंकार कर दिया, जो उनको पसंद नहीं थे। एक्ट्रेस के इस कदम ने उनको हॉलीवुड की स्वतंत्र और मुखर अभिनेत्रियों में शुमार किया।

मृत्यु

वहीं 05 अगस्त 1962 में मात्र 36 वर्ष की उम्र में मुनरो ने इस दुनिया को हमेशा के लिए अलविदा कह दिया। वह अपने फ्लैट में रहस्यमई तरीके से मृत पाई गई थीं।

30 रागों में रचे 638 शब्द, सिखों के चौथे गुरु ने कैसे रखा Amritsar का आधार

01 सितंबर को गुरु रामदास का निधन हो गया था। वह सिख धर्म के चौथे गुरु थे। उनको 01 सितंबर 1974 को गुरु गद्दी पर बिठाया गया था।

सिख धर्म के चौथे गुरु, गुरु रामदास का का 01 सितंबर को निधन हो गया था। वह सिख धर्म के चौथे गुरु थे। उन्होंने चार उपमाओं की रचना करके सिख धर्म को अधिक मजबूत करने का कार्य किया था। गुरु रामदास जी सात वर्षों तक सिखों के गुरु रहे थे। वह 01 सितंबर 1574 को सिखों के चौथे गुरु बने थे। इसके अलावा गुरु रामदास ने अमृतसर शहर बसाया था। इस शहर को पहले रामदासपुर के नाम से जाना जाता था। तो आइए जानते हैं उनकी डेथ एनिवर्सरी पर गुरु रामदास के जीवन से जुड़ी कुछ रोचक बातों के बारे में

जन्म और परिवार

चूना मंडी में 24 सितंबर 1534 को गुरु रामदास का जन्म हुआ था। यह जगह वर्तमान समय में पाकिस्तान के लाहौर में है। इनके पिता का नाम हरिदास मल सोढी और मां का नाम अनूप देवी था। इनका असली नाम जेठा जी था। जब उनको गुरु पद मिला, तो उनको रामदास नाम मिला। इनके माता-पिता की मृत्यु बचपन में ही हो गई थी। जिसके बाद इनका पालन-पोषण नानी ने किया था।

तीसरे सिख गुरु से मिले

जब जेठाजी अपनी नानी के पास रहते थे, तो वह पहली बार सिखों के तीसरे नानक, गुरु अमर दास से मिले थे। इस मुलाकात के दौरान वह इतने प्रसन्न हुए कि उन्होंने नानक अमरदास के पास रहकर उनकी सेवा का विचार बना लिया। वहीं गुरु अमरदास ने अपनी छोटी बेटी का विवाह रामदास से कराया था।

इसी दौरान जब गुरु अमरदास को यह एहसास हुआ कि उनको अब सिखों के अगले गुरु का चयन करना चाहिए, तो उन्होंने गुरु रामदास की परीक्षा ली। इस परीक्षा में गुरु रामदास सफल हुए।

गुरु गद्दी पर बैठे रामदास

जिसके बाद गुरु अमरदास ने बाबा बूढ़ा जी से रामदास का तिलक कराया और गुरुगद्दी सौंपी। इसके बाद गुरु अमरदास ने जेठा जी को संगत से परिचित कराते हुए बताया कि यह सिखों के चौथे गुरु, गुरु रामदास हैं।

अमृतसर शहर बसाया

गुरु गद्दी पर बैठने के बाद रामदास ने सिख संगत की भलाई के लिए अनेकों कार्य किए थे। उन्होंने चक रामदास पुर नामक नगर बसाया। जिसको आज के समय में हम सभी अमृतसर शहर के नाम से जानते हैं। इसके अलावा उन्होंने नगर के बीचोबीच एक बड़े जल सरोवर का निर्माण कराया था। गुरु रामदास ने 'आनंद कारज' यानी की सिखों के विवाह में पढ़े जाने वाले फेरों की रचना की।

गुरु रामदास ने बताया कि अब से आनंद कारज की मर्यादा के तहत ही सिख विवाह किए जाएंगे। गुरु रामदास ने अपने पूरे जीवनकाल में 30 राहों में 638 शब्द लिखे। जिनमें 246 पौउड़ी, 136 श्लोक, 31 अष्टपदी और 8 वारां है। इन सभी को गुरु ग्रंथ साहिब में शामिल किया गया।

होम फैशन
रथयात्रा, वाराणसी
8573035762

मेडिकल डायरेक्ट्री

बच्चों के डॉक्टर

मिनहाज चाइल्ड केयर
Dr. Minhaz Husain
MBBS, MD (Child Specialist)
पूर्व वरिष्ठ नवजात शिशु एवं बाल रोग विशेषज्ञ (IMS-BHU)
www.minhazchildclinic.com
19A lane no 1, Ravindrapuri colony, Varanasi, UP - 221005
Mob.- 6387438255 / 8058811141

गुप्त रोग विशेषज्ञ

गुप्त रोग, ताकत जवानी
सर्वश्रेष्ठ आयुर्वेदिक क्लिनिक
राना डिस्पेन्सरी
डॉ. राना
Govt Regd. Estd, 1948
निःसंतान, धात रोग, स्वप्नदोष, नामर्दी, कमजोरी इत्यादि
60 वर्षीय अनुभवी से मिलकर लाभ उठायें
पता: टकसाल सिनेमा के सामने (नियर ताज होटल) नदेसर, वाराणसी
समय प्रातः 9 से रात्रि 8 बजे तक रविवार 9 से 1 बजे तक
Mob.: 6386935615, 7388779172

नाक, कान और गला रोग विशेषज्ञ

काशी ई.एन.टी. सेंटर
कान, नाक और गला रोग विशेषज्ञ
डॉ. अमरेन्द्र सिंह M.B.B.S., M.S. (ENT) Mumbai Fellow - Skull Base Surgery (Italy)
सिद्धिगिरीबाग (यूनियन बैंक के सामने) सिगरा, वाराणसी
Mob.: 7052111138, 7052111139, 0542-2411138

लिवर रोग विशेषज्ञ

समर्पण गैस्ट्रो एवं लिवर क्लिनिक
इलाज एवं सुविधाएं: पेट में दर्द, उल्टी, गैस्ट्रिक अल्सर,खूनी उल्टी, कब्ज, मल में रक्त, रक्तस्त्रावी, आईबीएस, आईबीडी, हेपेटाइटिस, पीलिया, लिवर सिरोसिस, लिवर एब्सेस, गैल स्टोन उपचार, अल्सर, आमाश्य में छाला, अन्दरूनी रक्तस्त्राव और एंडोस्कोपी व कोलोनोस्कोपी।
परामर्श समय: 08:30 से 04:00 बजे तक
डॉ. शेखर पूरी
MBBS, MD (IMS-BHU) DM (GASTRO.) SMS Jaipur
माहेश्वरी भवन के पास तुलसीपुर, महमूरगंज वाराणसी। मो. 9587794338

यूरोलॉजी विशेषज्ञ

ओंकार यूरोलॉजी सेन्टर एण्ड हॉस्पिटल
Dr. Amit Kumar
MS.FICS M.ch (Urology)
CONSULTANT UROLOGIST
डायलिसिस की सुविधा उपलब्ध
OPD Time 12 Pm to 2 Pm
Mob: 8957650464
डी.63/13ए-5 अन्नपूर्णा कालोनी महमूरगंज, वाराणसी (नियर पासपोर्ट ऑफिस)

मानसिक रोग विशेषज्ञ

तनाव, अवसाद, घबराहट, बेचैनी,OCD याददाश्त कमजोर होना, स्किजोफ्रेनिया, बाइपोलर, गुस्सा, नींद की परेशानी, सिर दर्द, नशा करना, बच्चों और बड़ो की व्यवहारिक समस्याएं, आत्महत्या का विचार आना, माइग्रेन, न्यूरेल्जिया, सर्वाइकल, हाथ-पांव में झनझनाहट व मिर्गी जैसे अन्य मानसिक रोगों का इलाज उपलब्ध।
रवि न्यूरो सायकेट्री सेंटर (मल्टी स्पेशियलिटी हॉस्पिटल)
लेन नं.-16 रविन्द्रपुरी, वाराणसी मो. 8756837310/ 7880893030
डॉ. श्रेयांस द्विवेदी
मानसिक रोग विशेषज्ञ
MBBS,DPM, MD
Neuropsychiatrist

हड्डी रोग विशेषज्ञ

डा. अनुपम श्रीवास्तव
डा. आरती दिव्या
X-ray in 250 Only
Fee Rs 250 Only
वात्सल्य हॉस्पिटल
जाइंट रिप्लेसमेंट, ट्रामा, आर्थ्रोस्कोपी (लिगामेंट सर्जरी) एवं स्पाइन सर्जरी
सिकरौल, वाराणसी। MOB.-9415227170

कार्ड एवं स्टेशनरी

शादी के कार्ड
खत्री स्टेशनर्स
साई मंदिर के सामने, रामलीला मैदान के पास नदेसर, वाराणसी
मो.9335478047,9140457358

लेडिज सूट शॉप

Designer Salwar Suit Lancha Dress Materials
Shahnaz
GURUBAG, VARANASI PH 2390017

आल टाइप गारमेंट्स शॉप

NEW GENERATION
Exclusive Wear House
KIDS MENS TEENAGERS
Yadav katra, Dashashwamedh, vns. Ph. 2451389

मेडिकल शॉप

DIABETIC CARE POINT
Retailer Of All Kinds Of Medicines
C. 14/175-2, Amar Nagar, Sonia Road, Varanasi.
Varanasi- 945048570, 9936153614
Bharat Medicals

ज्योतिष एवं रत्न विशेषज्ञ

पहले देखे चमत्कार फिर दिल से करे नमस्कार
डॉ अनूप कुमार जायसवाल
कुंडली विशेषज्ञ, हस्तरेखा, फेस रीडिंग, कुंडली मिलान रत्न रुद्राक्ष थेरेपिस्ट, वास्तु एवं फेंगशुई विशेषज्ञ
Indias No.1 Astrologer
Lokhandwala Branch
9324652370
Bandra Branch
8108888280
HEAD OFF.: SHOP No.-2, Shastri Nagar Complex, Sigra, Varanasi-221010
Tel.: 0542-2220532, Mob.: 09305462682